शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 38 | गुवाहाटी | मंगलवार, 8 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महिला विधायकों को मजबूत करने से लोकतंत्र होगा मजबूत : ओम बिरला पेज 2
मणिपुर राष्ट्रीय संदर्भ गणना के लिए 1951 को आधार वर्ष के रूप में ... पेज 3
किसी भी दबाव की रणनीति से नहीं झुकेगा पंजाब एवं हरियाणा ... पेज 5
ग्रीम स्मिथ सहित इन खिलाड़ियों के नाम है सबसे लंबे समय तक कप्तानी का रिकार्ड पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

भविष्य के अन्धकार में छिपे कार्य के लिए श्रेष्ठ मंत्रणा दीपक के समान प्रकाश देने वाली है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा : भारी मात्रा में फैक्ट्रीमेड पिस्तौल और गोलाबारूद बरामद, दो गिरफ्तार

अगरतला। एक जॉइंट ऑपरेशन में, एनसीसी पुलिस और असम राइफल्स ने पश्चिम त्रिपुरा के सालबागन इलाके से बिहार के दो लोगों को हिरासत में लिया और उनके पास से फैक्ट्री में बनी 9एमएम की पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया। यह ऑपरेशन 6 सितंबर को एनसीसी पुलिस स्टेशन -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में 582 फर्जी डॉक्टरों पर कार्रवाई

बेंगलुरु। कर्नाटक से फर्जी डॉक्टरों का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। राज्य सरकार के अनुसर, 2024 से 2026 के बीच बिना मान्य योग्यता और पंजीकरण के मरीजों का इलाज करने वाले 582 फर्जी डॉक्टरों की पहचान की गई। इनमें बेंगलुरु से 16 फर्जी डॉक्टरों की पहचान की गई है, जबकि सबसे अधिक 127 फर्जी डॉक्टरों की पहचान कलबुर्गी में हुई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यूटी खादर -शेष पृष्ठ दो पर

उपराष्ट्रपति ने गौहाटी विवि में 110 करोड़ की विकास परियोजना की रखी आधारशिला

विकास के लिए दिया 250 करोड़ का अनुदान

गुवाहाटी (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में गौहाटी विश्वविद्यालय में 110 करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा विकास परियोजना के पहले चरण की आधारशिला रखी। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और विशिष्ट नागरिकों के साथ संवाद किया। उन्होंने गौहाटी विश्वविद्यालय प्रेस द्वारा प्रकाशित *चंद्रकांत डिक्शनरी* के पांचवें संशोधित एवं विस्तारित संस्करण का विमोचन किया। इसके अलावा भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती के अवसर पर प्रकाशित पुस्तक *भूपेन हजारिका-हंड्रेड इयर्स ऑफ ए वांडरिंग सॉन्ग* का भी लोकार्पण किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि किसी विश्वविद्यालय का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसके बुनियादी ढांचे से नहीं, बल्कि उसके द्वारा निर्मित बौद्धिक संपदा और विद्यार्थियों में विकसित किए जाने वाले मूल्यों से होता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने गौहाटी विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 250 करोड़ रुपए के अनुदान की घोषणा की है। इसके तहत पहले चरण में 110 करोड़ रुपए की परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें शैक्षणिक भवन, छात्रावास और आवासीय परिसर का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से शेष 140 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के प्रस्ताव जल्द प्रस्तुत करने का आग्रह किया, ताकि उन्हें चालू वित्त वर्ष में ही मंजूरी दी जा सके। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के स्टेडियम को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए अतिरिक्त धनराशि उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। -शेष पृष्ठ दो पर

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का असम का पहला दौरा बहुत अहम : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 7 सितंबर को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के राज्य के पहले दौरे को *बहुत अहम* बताया। उन्होंने कहा कि यह दौरा शिक्षा की बदलाव लाने वाली शक्ति और भारत का भविष्य बनाने में युवाओं की भूमिका में उनके भरोसे को दिखाता है। राधाकृष्णन 6 से 9 सितंबर तक असम, मेघालय, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश के चार दिन के दौरे पर हैं। गुवाहाटी यूनिवर्सिटी में 110 करोड़ रुपए के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के पहले चरण की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में बोलते हुए, शर्मा ने आदिवासी छात्रों के बीच उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं में नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने और एक स्वस्थ समाज बनाने की दिशा में राधाकृष्णन की पहलों पर जोर दिया। शर्मा ने कहा कि किसी यूनिवर्सिटी की असली पहचान उससे पैदा होने वाली बौद्धिक संपदा और छात्रों में डाले जाने वाले मूल्यों से होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार ने गुवाहाटी यूनिवर्सिटी में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 250 करोड़ रुपए की ग्रांट की घोषणा की है। पहले चरण में, जिसकी आधारशिला राधाकृष्णन ने रखी, एकेडमिक बिल्डिंग, हॉस्टल और रहने के लिए क्वार्टर शामिल होंगे। उन्होंने यूनिवर्सिटी अधिकारियों से बाकी 140 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट के लिए जल्द से जल्द प्रस्ताव जमा करने को कहा ताकि उन्हें मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में मंजूरी मिल सके। शर्मा ने यूनिवर्सिटी स्टेडियम को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड के हिसाब से अपग्रेड करने के लिए अतिरिक्त सरकारी फंड देने की भी घोषणा की। गुवाहाटी यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र होने पर गर्व जताते हुए शर्मा ने कहा कि पूरे असम के लोगों की भावनाएं इस संस्थान से गहराई से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने इसे राज्य के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक अहम संस्थान बताया। उन्होंने कहा कि यह यूनिवर्सिटी अनगिनत लोगों के त्याग और कोशिशों से बनी है और इसके पूर्व छात्रों ने असम और देश का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी यूनिवर्सिटी से जुड़े 300 से ज्यादा कॉलेजों में तीन लाख से ज्यादा छात्र पढ़ रहे हैं। उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट की लुप्तप्राय भाषाओं और बोलियों को बचाने और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने की गुवाहाटी यूनिवर्सिटी की कोशिशों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नौकरी बाजार की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए यूनिवर्सिटी द्वारा नए कोर्स शुरू करना एक और अच्छी पहल है। प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करने वाले क्षेत्रों पर हरित उपकर लगाने की व्यवस्था को मंजूरी

गुवाहाटी। असम मंत्रिमंडल ने प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करने वाले कुछ क्षेत्रों पर हरित उपकर लगाने के लिए एक व्यवस्था को सोमवार को मंजूरी दे दी। इसके अलावा पूर्व सैनिकों के लिए ग्रेड-3 और ग्रेड-4 सरकारी नौकरियों में आवेदन करने की अधिकतम आयु सीमा में भी छूट देने का फैसला किया गया। मंत्रिमंडल ने इस साल एक नवंबर से *खेल महारण* आयोजित करने को भी मंजूरी दी है, जिसमें प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान और छात्रवृत्ति सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मंत्रिमंडल ने असम हरित कर नीति, 2026 को मंजूरी दे दी है। यह राज्य में उन चिन्हित क्षेत्रों पर हरित उपकर लगाने की व्यवस्था है, जो प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करते हैं और सतत विकास के लिए जिनका नियमन जरूरी है। उन्होंने कहा कि इससे मिलने -शेष पृष्ठ दो पर

बेलतला वशिष्ठपुर में पति ने बेरहमी से की पत्नी की हत्या

उंगलियां काटी, फ्रिज में रखा कटा हुआ सिर

गुवाहाटी। गुवाहाटी में एक महिला की बेरहमी से हत्या का मामला सामने आया है। महानगर के बेलतला स्थित अपने आवास पर महिला का शव बरामद किया गया। महिला का सर घर में रखे फ्रिज से बरामद की गई। महिला की पहचान रिया तालुकदार के रूप में की गई है। उधर अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या करने के आरोपी व्यक्ति ने रविवार रात दिसपुर पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण की। पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रामानुजन गोस्वामी नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी रिया तालुकदार की हत्या करने की बात कबूल कर ली है। बताया जा रहा है कि आत्मसमर्पण के समय उसने जो टी-शर्ट पहनी थी, उस पर खून के धब्बे मिले थे।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि चिकित्सा परीक्षण के बाद गोस्वामी को हातीगांव पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उनसे फिलहाल पूछताछ की जा रही है और जांचकर्ता हत्या से जुड़े हालातों को समझने की कोशिश कर रहे हैं। यह घटना वशिष्ठपुर गली संख्या 4 के मकान संख्या 14 में सामने आई, जहां दंपति इमारत की तीसरी मंजिल पर रहते थे। पड़ोसियों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, जबकि फोरेंसिक और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों ने घटनास्थल की जांच की। सूचना मिलने के बाद हम यहां आए और हमें एक महिला का शव मिला। ऐसा प्रतीत होता है कि मौत लगभग 24 से 48 घंटे पहले हुई थी, क्योंकि शव सड़ने लगा था, -शेष पृष्ठ दो पर

कांगपोकपी में दो सशस्त्र गुटों के बीच गोलीबारी, प्राथमिक विद्यालय फूंका

कांगपोकपी (हि.स.)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के ल्हुंजांग गांव में सोमवार तड़के दो सशस्त्र गुटों के बीच गोलीबारी हुई। करीब 30 मिनट तक चली गोलीबारी के बाद सशस्त्र लोगों ने कथित तौर पर गांव स्थित ल्हुंजांग प्राथमिक विद्यालय में आग लगा दी। आग में विद्यालय भवन पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी सुबह करीब पांच बजे शुरू हुई और लगभग आधे घंटे तक चली। ल्हुंजांग गांव चावला पुलिस थाना क्षेत्र में आता है और थाने से करीब 12 किलोमीटर दूर है। पुलिस ने बताया कि कुछ सशस्त्र लोग कथित -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय में पारंपरिक अंदाज में हुआ उपराष्ट्रपति का स्वागत, आज जाएंगे इंफाल

शिलांग। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन सोमवार को मेघालय पहुंचे। उमरोई हवाईअड्डे पर मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने उनका पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसॉन्ग, राज्य सरकार के मंत्री सनबोर शुल्लाई समेत अन्य गणमान्य लोगों ने भी उपराष्ट्रपति की अगवानी की। मेघालय पहुंचने पर स्थानीय परंपरा और संस्कृति की झलक के बीच उनका स्वागत किया गया। चार पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे के तहत उपराष्ट्रपति असम के बाद मेघालय पहुंचे हैं। उनका यह दौरा पूर्वोत्तर के राज्यों के साथ संवाद और क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता को करीब से समझने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराष्ट्रपति सोमवार शाम शिलांग के सोसो थाम सभागार में आयोजित नागरिक -शेष पृष्ठ दो पर

एलपीजी गैस सिलेंडर बुकिंग का 45 दिन वाला नियम खत्म

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश भर के घरेलू एलपीजी ग्राहकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। अब ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गैस सिलेंडर रीफिल की बुकिंग के बीच 25 दिनों का समान समय तय कर दिया गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को यह जानकारी दी। सरकार के इस फैसले के तहत अब सभी घरेलू एलपीजी ग्राहकों को एक सिलेंडर बुक करने के बाद दूसरा सिलेंडर बुक -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिमी क्षेत्र में खत्म हुए विवाद, अब विकास योजनाओं की होगी मॉनिटरिंग : शाह

पणजी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को गोवा की राजधानी पणजी में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 28वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद के राज्यों के बीच अब कोई विवाद नहीं है। उन्होंने इसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि क्षेत्रीय परिषदें अब विवादों के समाधान के बजाय जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी का प्रभावी माध्यम बन गई हैं। अमित शाह ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत ने 7.8 प्रतिशत की -शेष पृष्ठ दो पर

नगांव लोकसभा उपचुनाव 6 और मतगणना 9 अक्तूबर को

भाजपा को आसान जीत की उम्मीद नहीं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को नगांव लोकसभा उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया, जिसके तहत मतदान 6 अक्तूबर को होगा और मतगणना 9 अक्तूबर को होगी। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है, नामांकन पत्रों की जांच 17 सितंबर को होगी और उम्मीदवार 19 सितंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। चुनाव प्रक्रिया 11 अक्तूबर तक पूरी होने का अनुमान है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब राजनीतिक गतिविधियां तेज हो चुकी हैं और पार्टियां

चुनाव के लिए अपनी तैयारियों को और भी बढ़ा रही हैं। सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में बोलते हुए मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि भाजपा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के उन विधानसभा क्षेत्रों में अपनी बढ़त बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करेगी जहां उसने पहले अच्छा प्रदर्शन किया था। नगांव निर्वाचन क्षेत्र में 35 लाख अल्पसंख्यक लोग हैं। यह निर्वाचन क्षेत्र दो भागों में विभाजित है। भाजपा ने पहले नगांव, जागीरोड, मोरीगांव और राहा में जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार : बाढ़ से 27 लाख प्रभावित

राहत शिविरों में पहुंचे सीएम सम्राट चौधरी, पीड़ितों संग खाया खाना

पटना। बिहार में नदियों का पानी ओवरफ्लो होने से 13 जिलों में बाढ़ आ गई है, जिससे लगभग 27 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को अधिकारियों को राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने वैशाली और भागलपुर में बाढ़ पीड़ितों के लिए चल रही कम्युनिटी किचन्स का निरीक्षण भी किया। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ प्रभावित अलग-

अलग जिलों में 190 कम्युनिटी किचन्स चलाई जा रही हैं, जबकि राहत और बचाव कार्यों के लिए 1,429 नावें लगाई गई हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उनके डिप्टी विजय कुमार चौधरी ने वैशाली और भागलपुर में कम्युनिटी किचन्स का निरीक्षण किया और स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लगातार नदी के तटबंधों की निगरानी करें और संवेदनशील इलाकों पर कड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

महिला विधायकों को मजबूत करने से लोकतंत्र होगा मजबूत : ओम बिरला

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि महिला विधायकों और महिला जनप्रतिनिधियों को सशक्त बनाने से लोकतंत्र और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता के लिए संवाद, भागीदारी और विश्वास जरूरी है। महिला जनप्रतिनिधियों को विधायी प्रक्रिया, नीति निर्माण, कानून और बजट की बेहतर समझ विकसित कर अपने राज्यों और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। बिरला सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से आयोजित दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष ने महिला विधायकों से सार्वजनिक सेवा को समावेशी शासन मजबूत करने का माध्यम बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिला नेतृत्व को मजबूत करने से शासन व्यवस्था में अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित होगी और लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होंगी। *शी इज ए चेंजमेकर* पहल के तहत फरीदाबाद स्थित ताज सूरजकुंड रिजॉर्ट में *महिला जनप्रतिनिधियों के लिए लैंगिक उत्तरदायी शासन* विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें देशभर से सौ से अधिक महिला विधायक और विधान परिषद सदस्य शामिल हुईं। इस मौके पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजय रहाटकर ने कहा कि महिला विधायक सिर्फ अपने निर्वाचन क्षेत्रों की प्रतिनिधि नहीं हैं बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, तकनीक, सुरक्षा और सुशासन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर समाज की मजबूत आवाज भी हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति और शासन में महिलाओं की भागीदारी से नीतियों में एक अलग और जरूरी दृष्टिकोण आता है। महिला जनप्रतिनिधियों का नेतृत्व समाज में व्यापक बदलाव का माध्यम बन सकता है। उन्होंने महिला विधायकों से अपने संवैधानिक अधिकारों और सार्वजनिक मंचों का प्रभावी इस्तेमाल करने की अपील की। रहाटकर ने कहा कि महिला जनप्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम करना चाहिए कि उनके क्षेत्रों की महिलाएं अपने अधिकारों को समझें और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। कार्यशाला के पहले दिन नेतृत्व, विधायी कामकाज, सार्वजनिक नीति और लैंगिक उत्तरदायी शासन से जुड़े चार तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में महिला विधायकों को शासन और जनप्रतिनिधित्व से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न राज्यों की महिला जनप्रतिनिधियों को अपने अनुभव और सफल कार्यों को साझा करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी, छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, केरल की मंत्री बिंदु कृष्णा और के. ए. तुलसी, हरियाणा के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, पश्चिम बंगाल की आवास विभाग की राज्यमंत्री कलिता माझी और राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्य सचिव सुदीप जैन सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। राष्ट्रीय महिला आयोग के मुताबिक, इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य महिला विधायकों की क्षमता बढ़ाना है, ताकि वे नीति निर्माण, शासन और जनसेवा में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें और सार्वजनिक जीवन में महिलाओं के नेतृत्व को और मजबूत किया जा सके।

रंगामाटी में भीषण सड़क हादसा, एक युवती की मौत

गोलाघाट (हिंस)। असम के देरगांव स्थित रंगामाटी में एक भीषण सड़क दुर्घटना में दो युवतियों को एक वाहन ने कुचल दिया। हादसे में अनिसा कुमार प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, मुनू रविदास गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल युवती को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उधर असम के ग्वालपाड़ा जिले के कृष्णाई इलाके में जिला प्रशासन ने बड़े पैमाने पर बेदखली अभियान शुरू किया है। अभियान के दौरान पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों के साथ 10 जेसीबी मशीनें तैनात की गई हैं। प्रशासन के अनुसार, अभियान के तहत करीब 73 परिवारों को बेदखल किया जाना है। इसके अलावा कई गांवों की कृषि भूमि को भी अतिक्रमण से मुक्त कराया जाएगा। अभियान के मद्देनजर इलाके में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

दिल्ली का सत्य निकेतन मामला

आरोपी पीजी मालिक राजस्थान से गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी इमारत ढहने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी और भवन मालिक हरिराम बंसल को दिल्ली पुलिस ने सोमवार को राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तार कर लिया। हादसे के बाद से हरिराम बंसल फरार था। रविवार को हुए इस हादसे में अब तक 07 लोगों की मौत हो चुकी है। सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी इमारत ढहने के मामले में पुलिस की कार्रवाई के बीच यहां रहने वाले छात्रों के साथ किए गए एग्रीमेंट की कॉपी भी सामने आई है, जिसमें हादसे और जोखिम की जिम्मेदारी से पीजी प्रशासन को अलग करने वाली शर्त दर्ज है। एग्रीमेंट में साफ लिखा है कि पीजी में रहने वाले व्यक्ति के साथ होने वाली किसी भी दुर्घटना या जोखिम के लिए प्रशासन जिम्मेदार नहीं होगा। हादसे के बाद सामने आए इस दस्तावेज ने पीजी में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा और भवन की स्थिति को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एग्रीमेंट में हॉस्टल सीट की अवधि, दो महीने की सिक्योरिटी और एक महीने का एडवांस किराया समेत कई नियम दर्ज हैं। इसमें यह शर्त भी रखी गई है कि लॉकिंग पीरियड पूरा होने से पहले हॉस्टल छोड़ने पर सिक्योरिटी और जमा फीस की वापसी का दावा नहीं किया जा सकेगा। इसके अलावा पीजी परिसर की दीवारों पर पोस्टर या स्टीकर लगाने और लिखने पर रोक लगाई गई थी। छात्रों को समय पर फीस जमा करने के निर्देश दिए गए थे। फर्नीचर या पीजी के किसी अन्य सामान को नुकसान पहुंचने की स्थिति में उसकी कीमत सिक्योरिटी राशि से काटने की बात भी एग्रीमेंट में शामिल थी।

हैलाकांदी में 1.3 लाख याबा टैबलेट बरामद दो आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस ने रामनाथपुर में वाहन जांच के दौरान एक वाहन के गुप्त खानों से 1.3 लाख याबा टैबलेट बरामद की हैं। बरामद टैबलेट की अनुमानित कीमत छह करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को हैलाकांदी पुलिस की कार्रवाई की सराहना की। मुख्यमंत्री के अनुसार, मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए असम पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए लिखा कि अच्छा काम, असम पुलिस! पुलिस की यह कार्रवाई राज्य में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई है। मामले में आगे की जांच जारी है। उधर दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले में पुलिस ने गश्त के दौरान 51 मवेशियों और एक नाव को जब्त किया। इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि मवेशियों को कथित तौर पर गुप्त रास्ते से सीमा पार ले जाने का प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि धुबड़ी के बाद दक्षिण सालमारा-मानकाचर में भी पुलिस की कार्रवाई जारी है। असम पुलिस सड़क और जलमार्ग, दोनों रास्तों से मवेशियों की तस्करी रोकने के लिए अभियान जारी रखेगी।

पांडु मिशन पाड़ा में गणेश चतुर्थी की तैयारियां जोरों पर, खास थीम पर होंगे कार्यक्रम

गुवाहाटी (हिंस)। पूरे राज्य के साथ असम में भी गणेश पूजा की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। पूजा की परंपरा को कायम रखते हुए इस बार भी नगर के पांडु मिशन पाड़ा में उत्साह और उल्लास के साथ गणेश चतुर्थी पूजा का आयोजन किया जा है। इसे लेकर तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। पूजा समिति ने जानकारी दी है कि आगामी 13 से 16 सितंबर तक चार दिवसीय गणेशोत्सव का आयोजन किया जाएगा। पूजा समिति के अध्यक्ष शांतनु शर्मा और महासचिव देब्रत दत्त ने बताया कि निर्धारित चार दिनों तक विधि-विधान के साथ गणेश पूजा की जाएगी। प्रतिदिन सुबह 7 बजे से पूजा की शुरुआत होगी, जिसके बाद भक्तों के बीच प्रसाद वितरित किया जाएगा। इसके अलावा, रोजाना शाम महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय निवासियों और सभी भक्तों को आमंत्रित किया गया है। इस बार के गणेशोत्सव का मुख्य आकर्षण पूजा पंडाल की विशेष थीम होगी। समिति की पहल पर पंडाल में ग्रामीण परिवेश के दृश्यों को जीवंत किया जाएगा। पारंपरिक ग्रामीण जीवन के माहौल को कलात्मक ढंग से उभारने की योजना बनाई गई है, जिससे यह आयोजन दर्शकों के लिए बेहद आकर्षक साबित होगा। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों पर भी विशेष जोर दिया गया है। उत्सव के इन दिनों के दौरान बच्चों और किशोरों के लिए चित्रकला और नृत्य प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा, जो इस त्यौहार के उल्लास को और बढ़ा देंगी। चार दिनों तक चलने वाले इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए पूजा समिति और स्थानीय निवासी पूरी तन्मयता से जुट गए हैं।

नए वर्ल्ड मैप पर भारत के रुख से तिलमिलाया पाकिस्तान

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के नक्शे को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद जारी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने समान क्षेत्रफल वाले विश्व मानचित्र को लेकर भारत का रुख स्पष्ट किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान क्षेत्रफल वाले मानचित्र से जुड़ी प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है। उन्होंने कहा कि भारत के संप्रभु क्षेत्र, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भी शामिल हैं, उन्हें भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी गलत या भ्रामक चित्रण को भारत स्वीकार नहीं करेगा। वहीं अब भारत के इस रुख पर पाकिस्तान का बयान सामने आया है। भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से जम्मू-कश्मीर के विवादित क्षेत्र को लेकर दिए गए बयान पर पाकिस्तान ने प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता और राजदूत सज्जाद हैदर खान ने भारत के दावों को आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए सज्जाद हैदर ने कहा कि पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर की स्थिति के बारे में भारत के उन बेबुनियाद दावों को पूरी तरह से खारिज करता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर माने गए तथ्यों के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि भारत की एकतरफा कार्रवाई और लगातार अवैध कब्जे से जम्मू-कश्मीर की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानी गई विवादित स्थिति नहीं बदल सकती। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का विवाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में सबसे पुराने अनसुलझे और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर माने गए विवादों में से एक है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के संबंधित प्रस्तावों में यह तय किया गया है कि इसका अंतिम समाधान सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छा के अनुसार होना चाहिए, जिसे संयुक्त राष्ट्र की देखरेख में स्वतंत्र और निष्पक्ष जनमत संग्रह के जरिए व्यक्त किया जाए। पाकिस्तान ने अपने बयान में संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक नक्शे भी जिक्र किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सज्जाद हैदर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक नक्शे, जो जम्मू-कश्मीर को एक विवादित क्षेत्र के रूप में दिखाते हैं, वही इसकी वर्तमान कानूनी स्थिति का एकमात्र नक्शे के तौर पर प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के तथाकथित आधिकारिक नक्शों और संप्रभुता के एकतरफा दावों का विवादित क्षेत्र की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ता है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से आग्रह करता है कि वह यह सुनिश्चित करे कि भारत के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों का उल्लंघन तुरंत बंद करे और संबंधित यूएनएससी प्रस्तावों के अनुरूप कश्मीरी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को निभाए। दरअसल भारत ने दुनिया के नए नक्शे को लेकर आपत्ति जताई है।

पृष्ठ एक का शेष

उपराष्ट्रपति ने गौहाटी विवि ...

डॉ. शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे हासिल करने के लिए ऐसी युवा पीढ़ी तैयार करनी होगी, जो अपनी जड़ों और मूल्यों से जुड़ी होने के साथ आधुनिक तकनीक में भी दक्ष हो। उन्होंने कहा कि असम देश की सबसे युवा आबादी वाले राज्यों में से एक है और यहां के युवाओं में वैश्विक स्तर पर मानव संसाधन बनने की अपार क्षमता है। उन्होंने गौहाटी विश्वविद्यालय में जापानी, अंग्रेजी और जर्मन जैसी विदेशी भाषाओं के अध्ययन को बढ़ावा देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशी भाषाओं का ज्ञान विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि जागीरोड में आगामी सेमीकंडक्टर उद्योग को सफल बनाने के लिए राज्य में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स का मजबूत इकोसिस्टम विकसित करना जरूरी है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा माइनिंग, सेमीकंडक्टर और उन्नत तकनीक के क्षेत्रों में अनुसंधान को बढ़ावा देने का आग्रह किया। युवाओं से सकारात्मक और रचनात्मक सोच अपनाने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विनाश करना आसान है, जबकि निर्माण के लिए निरंतर प्रयास और समर्पण की आवश्यकता होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि गौहाटी विश्वविद्यालय ऐसी युवा पीढ़ी तैयार करेगा, जो वर्ष 2047 तक असम को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देगी। समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ. रणोज पेगू, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा मंत्री नीलिमा देवी, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नानी गोपाल महंत, रजिस्ट्रार प्रो. उत्पल शर्मा, विधायक, प्रोफेसर, छात्र और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का ...

नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन का जिक्र करते हुए, शर्मा ने कहा कि इस लक्ष्य को पाने के लिए ऐसी पीढ़ी की जरूरत है जो नैतिक मूल्यों से जुड़ी हो और साथ ही टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल में भी माहिर हो। उन्होंने बताया कि असम में देश की सबसे युवा आबादी में से एक है और वहां के युवा राज्य और भारत, दोनों के लिए एक बड़ी संपत्ति हैं। शर्मा ने कहा कि कुशल मानव संसाधनों की वैश्विक कमी को देखते हुए, असम के युवाओं को न केवल राज्य या देश के भीतर के मौकों के लिए, बल्कि वैश्विक मानव पूंजी के तौर पर भी तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने गुवाहाटी यूनिवर्सिटी से आग्रह किया कि वह अपने छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए पाठ्यक्रम में जापानी, जर्मन और अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषाओं को शामिल करे। शर्मा ने यूनिवर्सिटी से यह भी कहा कि वह खुद को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा माइनिंग और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी पर केंद्रित एक आधुनिक रिसर्च हब के रूप में विकसित करे। उन्होंने उम्मीद जताई कि गुवाहाटी यूनिवर्सिटी ऐसी पीढ़ी तैयार करेगी जो 2047 तक असम को भारत का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य बनाने का सपना देख सके और उस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में काम कर सके।

प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल...

वाली राशि का इस्तेमाल बांधों की मरम्मत और उन्हें मजबूत करने, सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए धन उपलब्ध कराने आदि में किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने पत्थर तोड़ने वाली इकाइयों, ईंट भट्टों, आयातित लकड़ी, प्रदूषण सूचकांक के आधार पर चिन्हित औद्योगिक इकाइयों, पुराने मोटर वाहनों के स्वामित्व अंतरण और व्यावसायिक रूप से भूजल निकालने व इस्तेमाल करने पर हरित उपकर लगाने को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मंत्रिमंडल ने पूर्व सैनिकों के लिए सरकारी सेवा में ग्रेड-3 और ग्रेड-4 पदों पर नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा को मौजूदा 42 वर्ष से बढ़ाकर 45 वर्ष करने को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व सैनिकों को राज्य सरकार की सेवाओं में भर्ती प्रक्रिया में अधिक भागीदारी का अवसर मिलेगा।

बेलतला वशिष्ठपुर में पति ...

एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, रिया पर कथित तौर पर धारदार हथियार से हमला किया गया और उसका सिर काट दिया गया। पुलिस ने बताया कि उसका कटा हुआ सिर एक फ्रिज के अंदर मिला, जबकि उसके शरीर का बाकी हिस्सा बेडरूम में बिस्तर के पास पड़ा था। बताया जा रहा है कि उसकी कई उंगलियां भी कटी हुई थीं। महिला का सिर फ्रिज के अंदर मिला। शव के अलावा हमें और कुछ नहीं मिला। आगे की जांच के बाद हमें और जानकारी मिलेगी, अधिकारी ने बताया। पुलिस उपायुक्त तबुराम पेगु ने कहा कि दंपति के बीच विभिन्न मुद्दों पर अक्सर झगड़े होते रहते थे, जिनमें मृतक महिला के विवाहेतर संबंध होने के आरोप भी शामिल थे। पेगु के अनुसार, आरोपी ने 3 सितंबर की सुबह एक झगड़े के दौरान आपा खो दिया और अपनी पत्नी की हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि हमने हातीगांव पुलिस स्टेशन में केस नंबर 202/26 दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। पेगु ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर हमले में एक धारदार हथियार का इस्तेमाल किया था और पुलिस ने मामले से जुड़े कई संदिग्ध सामान जब्त किए हैं। घटनास्थल से शराब की एक बोतल भी बरामद हुई है। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस आगे की पूछताछ के लिए आरोपी की कम से कम सात दिनों की रिमांड मांगेगी और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त रिमांड भी मांग सकती है। पड़ोसियों ने बताया कि उन्होंने शनिवार को फ्लैट से रोने की तेज आवाजें सुनी थीं। खबरों के अनुसार, उन्होंने गोस्वामी को आखिरी बार उस शाम करीब 8 बजे देखा था और दावा किया कि दंपति के बीच अक्सर झगड़े होते थे। गोस्वामी मूल रूप से धुबड़ी जिले के गौरीपुर की रहने वाली हैं, जबकि रिया नूनमाटी की थीं। वह फैंसी बाजार के एसी मार्केट इलाके में एक बुटीक में काम करती थीं और उनके माता-पिता दोनों का निधन हो चुका था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पुलिस अभी तक उसके भाई से संपर्क स्थापित नहीं कर पाई है। आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद, पुलिस ने शव को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) के मुर्दाघर भेज दिया। गोस्वामी से पूछताछ जारी रहने के साथ ही जांचकर्ता अपनी जांच जारी रखे हुए हैं।

कांगपोकपी में दो ...

तौर पर गांव पर हमला करने के इरादे से पहुंचे थे। इलाके में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। करीब 40 लोगों की आबादी वाले गांव में मणिपुर राइफल्स की एक चौकी के अलावा इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के विस्थापित कर्मियों की तैनाती है। गोलीबारी के बाद सशस्त्र लोगों ने कथित तौर पर गांव के पास स्थित प्राथमिक विद्यालय में आग लगा दी और मौके से पीछे हट गए। आग की चपेट में आने से विद्यालय भवन पूरी तरह नष्ट हो गया। पुलिस ने विद्यालय में आगजनी के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान या उनके किसी संगठन से संबंध होने की फिलहाल पुष्टि नहीं की है। मामले की जांच जारी है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस तथा सुरक्षा बल स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

मेघालय में पारंपरिक अंदाज ...

अभिनंदन समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान मेघालय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रस्तुत की जाएगी। राज्य के विभिन्न समुदायों के कलाकार पारंपरिक प्रस्तुतियां देंगे। उपराष्ट्रपति के दौरे के दौरान राज्य में 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं। इन परियोजनाओं के जरिए आधारभूत ढांचे और जनसुविधाओं को मजबूत करने पर जोर है। मेघालय दौरा पूरा करने के बाद उपराष्ट्रपति मंगलवार को मणिपुर की राजधानी इंफाल जाएंगे। वहां वे मोइरांग स्थित आजाद हिंद फौज संग्रहालय और युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे। इसके अलावा सैनिक स्कूल इंफाल भी जाएंगे। मणिपुर के कार्यक्रमों के बाद उनका अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर रवाना होने का कार्यक्रम है। दौरे के अंतिम दिन 9 सितंबर को राधाकृष्णन ईटानगर में अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में शामिल होंगे। इसके अलावा वे राज्य के संग्रहालयों और अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का दौरा करेंगे।

एलपीजी गैस सिलेंडर ...

करने के लिए कम से कम 25 दिन का इंतजार करना होगा। पहले यह नियम केवल शहरी इलाकों में लागू था, जबकि ग्रामीण इलाकों में दो सिलेंडरों की बुकिंग के बीच 45 दिनों का अंतर तय किया गया था। अब ग्रामीण और शहरी इलाकों का यह अंतर पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 7 सितंबर को तीनों प्रमुख तेल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसीएस), आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल के प्रमुखों को पत्र जारी कर इस फैसले को तुरंत प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं। मंत्रालय के अनुसार, पहले मिडल ईस्ट में उपजे तनाव और संघर्ष के कारण एलपीजी की सप्लाई पर असर पड़ा था। उस समय डिमांड बनाए रखने और कालाबाजारी रोकने के लिए अस्थायी रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिनों का समय तय किया गया था। लेकिन अब देश में एलपीजी की सप्लाई की स्थिति में काफी सुधार हो चुका है और बैकलाग भी लगभग खत्म हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए नियमों में राहत दी गई है। राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर मंत्रालय का यह पत्र साझा किया है। इस नए कदम से खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के उन करोड़ों परिवारों को सीधा फायदा मिलेगा, जिन्हें पहले 45 दिनों के लंबे इंतजार के कारण रसोई गैस की किल्लत झेलनी पड़ती थी। अब पूरे देश में एक समान नियम के तहत 25 दिनों के अंतराल पर नागरिक अपना अगला एलपीजी सिलेंडर बुक करा सकेंगे।

पश्चिमी क्षेत्र में खत्म हुए ...

विकास दर दर्ज की है। वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की यह रफ्तार गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में पश्चिमी क्षेत्र की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। शाह के मुताबिक पश्चिमी क्षेत्र देश का सबसे बड़ा आर्थिक, औद्योगिक और वित्तीय केंद्र है। उन्होंने कहा कि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रशासनिक सुधारों के जरिए भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने कहा कि दमन और दीव, दादरा एवं नगर हवेली और पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद के तीनों राज्यों ने देश की 7.8 प्रतिशत विकास दर में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र को देश की आर्थिक वृद्धि का वेस्ट इंजन करार दिया। उन्होंने डब्ल्यू-ई-एस-टी की व्याख्या करते हुए कहा कि डब्ल्यू का मतलब इस क्षेत्र से पैदा होने वाला वेल्थ और फाइनेंस है। ई से एक्सपोर्ट और पोर्ट्स, एस से स्टार्टअप और सेमीकंडक्टर, जबकि टी से टूरिज्म और ब्लू इकोनॉमी का संकेत मिलता है। उन्होंने कहा कि इन सभी क्षेत्रों में पश्चिमी क्षेत्र की हिस्सेदारी महत्वपूर्ण है। शाह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने संविधान में निहित सहकारी संघवाद की भावना को मजबूत किया है। क्षेत्रीय परिषदें विकास और जनकल्याण से जुड़े मुद्दों के समाधान के साथ-साथ योजनाओं की निगरानी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि 2004 से 2014 के बीच क्षेत्रीय परिषदों और उनकी स्थायी समितियों की कुल 25 बैठकें हुई थीं। वहीं, 2014 से अब तक ऐसी 71 बैठकें हो चुकी हैं। यानी बैठकों की संख्या में करीब तीन गुना बढ़ोतरी हुई है। शाह ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीम इंडिया के विजन का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इन बैठकों में कुल 1,893 मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें से 1,445 का समाधान किया जा चुका है। यह क्षेत्रीय परिषदों की कार्यक्षमता और प्रभावशीलता को दर्शाता है। उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र से नई न्याय संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नशे के खिलाफ देश की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की। साथ ही सभी राज्यों के अर्बन कोऑपरेटिव बैंकों को सीएफसीएफआरएमएस से जोड़ने पर भी जोर दिया।

भाजपा को आसान ...

के उम्मीदवारों ने सामागुरी, ढिंग, रूपोहिहाट और लाहोरीघाट से जीत दर्ज की, शर्मा ने कहा। उन्होंने कहा कि भाजपा का तात्कालिक उद्देश्य इन चार क्षेत्रों में अपनी बढ़त बनाए रखना और शेष निर्वाचन क्षेत्रों में अपने वोट शेयर को बढ़ाना होगा। भाजपा के दृष्टिकोण से, हमारा मुख्य लक्ष्य उन चार निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी जीत को बरकरार रखना और सुरक्षित करना होगा जहां हमने पहले जीत हासिल की थी। भाजपा इस सीमित लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी और अन्य चार निर्वाचन क्षेत्रों में अपने वोटों को बढ़ाने का इरादा रखेगी, उन्होंने कहा। हालांकि, शर्मा ने नगांव को भाजपा का पारंपरिक गढ़ मानने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मैं हार या जीत की बात नहीं करूंगा क्योंकि पिछली बार हम 2.5 लाख वोटों से हार गए थे। चुनाव प्रचार किया जाएगा और लोग अपने पसंदीदा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करेंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह भाजपा की सीट नहीं है, क्योंकि परंपरा के अनुसार भाजपा ने पहले कभी न तो विधायक चुनाव जीते हैं और न ही मध्य प्रदेश चुनाव। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि दो बार हारने से तीसरी बार भी हार निश्चित है। इससे पहले दिन में, असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि पार्टी ने पूरे निर्वाचन क्षेत्र में तैयारियां शुरू कर दी हैं। नगांव लोकसभा उपचुनाव के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति बैठक में भाग लिया। हमने आठ विधानसभा क्षेत्रों, 25 मंडलों और 2,306 बूथों में जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ के साथ भाजपा असम को और अधिक सक्रिय करने की योजना बनाई। हमारा ध्यान बूथों को मजबूत बनाने पर केंद्रित है ताकि जनता का आशीर्वाद प्राप्त किया जा सके, सैकिया ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा। पूर्व नगांव जिला आयुक्त-सह-जिला निर्वाचन अधिकारी देवाशीष शर्मा से जुड़े विवाद की पृष्ठभूमि में उपचुनाव की तैयारियां चल रही हैं, जिनके बारे में खबर है कि वे भाजपा में शामिल होने वाले हैं और उपचुनाव में उनकी संभावित उम्मीदवारी को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। उपचुनाव से पहले प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों और उनकी कथित राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर उठे सवालों के मद्देनजर चुनाव आयोग ने शर्मा के खिलाफ औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज की है। 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले तत्कालीन सांसद प्रद्युत बरदलै के इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने के बाद नगांव लोकसभा सीट रिक्त हो गई थी।

राहत शिविरों में पहुंचे ...

नजर रखें। उन्होंने सारण में भी कम्युनिटी किचन्स का निरीक्षण किया और लोगों को अपने हाथों से भोजन परोसा। इस दौरान सीएम ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ खुद भी भोजन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि हर समस्या, हर कदम पर जनता के साथ हूं! उन्होंने कहा कि वैशाली एवं सारण के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हाजीपुर एवं सोनपुर के राहत शिविरों का निरीक्षण किया। राहत शिविर में लोगों से संवाद कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया, स्वयं भोजन परोसा और उनके साथ भोजन भी किया। आपदा पीड़ितों को सहायता राशि भी दी गई एवं प्रभावित किसानों को फसल क्षति का समुचित मुआवजा दिया जाएगा। आमजन की सुरक्षा और राहत कार्यों में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। पटना में गांधी घाट और हाथीदह पर गंगा नदी के जलस्तर के बाढ़ के उच्चतम स्तर तक पहुंचने के बाद अधिकारियों ने नदी के निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं और बिहार के 13 जिलों में बाढ़ आ गई है, जिससे 27 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। सितंबर में अब तक राज्य में 69.1 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 55 प्रतिशत ज्यादा है।

त्रिपुरा : भारी मात्रा में ...

के अधिकार क्षेत्र में चलाया गया था। तलाशी के दौरान, सुरक्षाकर्मियों ने संदिग्धों के पास से फैक्ट्री में बनी 9एमएम की दो पिस्तौल, तीन मैगजीन और कई जिंदा कारतूस बरामद किए। एनसीसी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जब्त किए गए हथियार आगे की जांच के लिए पुलिस को सौंप दिए गए हैं। एसडीपीओ सुब्रत बर्मन ने कहा कि 6 सितंबर 2026 को, वेस्ट त्रिपुरा के एनसीसी पुलिस स्टेशन के तहत सलबागन इलाके में एनसीसी पुलिस स्टेशन और असम राइफल्स ने एक जॉइंट ऑपरेशन चलाया। दो लोगों को पकड़ने के बाद तलाशी ली गई, जिसमें उनके पास से फैक्ट्री में बनी दो 9 एमएम पिस्तौल, तीन मैगजीन और जिंदा कारतूस बरामद हुए। बरामदगी के बाद, पुलिस ने हथियार और गोला-बारूद जब्त कर लिए और एनसीसी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की। अधिकारी ने आगे बताया कि आरोपियों को आज स्थानीय अदालत में पेश किया जा रहा है, जहां पुलिस उनसे विस्तार से पूछताछ के लिए उनकी कस्टडी की मांग करेगी। एसडीपीओ ने कहा कि दोनों आरोपियों को आज अदालत में पेश किया जाएगा और पुलिस उनकी रिमांड की मांग करेगी। रिमांड मिलने के बाद आरोपियों से विस्तार से पूछताछ की जाएगी। शुरुआती पूछताछ में पता चला कि वे बिहार से आए थे और कथित तौर पर किसी काम के सिलसिले में अगरतला, त्रिपुरा आए थे। हथियार रखने का असली कारण, उन्हें कहां से मिला, वे कहां रुके थे, कैसे आए और कहां जाने वाले थे, इसका पता आगे की जांच और पूछताछ के बाद चलेगा। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि हथियार किस मकसद से ले जाए जा रहे थे और क्या आरोपियों का हथियारों की गैर-कानूनी खरीद-फरोख्त या आवाजाही में शामिल अन्य लोगों से कोई संबंध है।

कर्नाटक में 582 ...

ने हाल में विधानसभा सत्र के दौरान यह जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक, कलबुर्गी के बाद रायचूर में 124, धारवाड़ में 75 और कोलार में 31 फर्जी डॉक्टरों की पहचान हुई। विजयपुरा में 24, बल्लारी में 23, दक्षिण कन्नड़ में 20 और चिक्कबल्लापुर में 17 मामले सामने आए। बेंगलुरु अर्बन 16 मामलों के साथ सूची में नौवें स्थान पर है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार कोप्पल में 14, हावेरी में 13, बीदर और बागलकोट में 12-12, हासन में 11 तथा विजयनगर में 10 मामले मिले। मैसूर में आठ, बेलगावी में सात, चामराजनगर में छह और दावणगेरे में पांच, चित्रदुर्ग दो और रामनगर में दो फर्जी डॉक्टरों की पहचान हुई। बेंगलुरु मिरर के अनुसार, फर्जी डॉक्टरों पर शिकंजा कसने के लिए कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने 2025 में एक सर्कुलर जारी किया था। इसमें फर्जी डॉक्टरों और ऐसे लोगों को नियुक्त करने वाले चिकित्सा प्रतिष्ठानों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। राज्य सरकार के अनुसार, यदि कोई पहली बार इस तरह के मामले में पकड़ा जाता है तो उसपर 25 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। दूसरी बार अपराध करने पर 2.5 लाख रुपए तक जुर्माना और एक साल तक की जेल हो सकती है। इसके बाद अपराध दोहराने पर पांच लाख रुपए तक जुर्माना और तीन साल तक की सजा का प्रावधान है। सरकार ने फर्जी डॉक्टरों पर कार्रवाई के लिए जिला स्तर पर विशेष टास्क फोर्स का गठन किया है। इसमें प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य, आयुष समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हैं। ये टीमें अपंजीकृत चिकित्सकों की जांच, उनके खिलाफ अभियोजन शुरू करने और हर महीने सरकार को रिपोर्ट भेजने का काम करती हैं।

मणिपुर राष्ट्रीय संदर्भ गणना के लिए 1951 को आधार वर्ष के रूप में अपनाएगा, गृह मंत्री गोविंदास ने कहा

इंफाल। मणिपुर राज्य में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने के लिए 1951 को आधार वर्ष के रूप में अपनाया जाएगा, गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम ने सोमवार को विधानसभा को बताया। भारतपर्यटन पैकेज विपक्षी विधायक के. मेघचंद्र सिंह द्वारा एनआरसी अभ्यास और 1951 के एनआरसी के मूल भौतिक अभिलेखों के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, कोंथौजम ने कहा कि राज्य सरकार राज्य विधानसभा द्वारा पारित प्रस्तावों के अनुसार केंद्र के साथ इस मामले को उठाएगी। उन्होंने कहा कि 1951 के मूल एनआरसी रिकॉर्ड का पता लगाने के प्रयास जारी हैं, और यह भी कहा कि राज्य सरकार भारत सरकार की मंजूरी के बिना अपने दम पर एनआरसी को लागू नहीं कर सकती। मंत्री ने बताया कि 5 अगस्त, 2022 को विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव के अनुसार मणिपुर राज्य जनसंख्या आयोग का गठन पहले ही किया जा चुका है। कोंथौजम ने कहा कि एनआरसी मुद्दे को सावधानीपूर्वक निपटाने की जरूरत है। असम का जिक्र करते हुए, जहां एनआरसी प्रक्रिया चलाई गई थी, लेकिन अदालत में लंबित मामले के कारण इसकी अंतिम सूची सार्वजनिक नहीं की जा सकी, उन्होंने कहा कि मणिपुर को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि उसकी प्रक्रिया को इसी तरह के परिणाम का सामना न करना पड़े। भारतपर्यटन पैकेज उन्होंने कहा कि विधानसभा के 1 मार्च, 2024 के प्रस्ताव के बाद राज्य सरकार ने इस मामले पर केंद्र से संपर्क किया था, जिसमें उसके पहले के फैसले की पुष्टि की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि विधानसभा ने 2 सितंबर, 2026 को पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से सर्वसम्मति से अपनी स्थिति की फिर से पुष्टि की है। विपक्षी विधायक थ. लोकेश्वर सिंह द्वारा अवैध अप्रवासन पर पूछे गए एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि मणिपुर में अब तक 24,475 अवैध अप्रवासियों का पता लगाया जा चुका है। कुल में से, 14,370 चंदेल जिले में, 6,545 कामजोंग में और 3,560 टेंगनोपाल में पाए गए। कोंथौजम ने कहा कि पकड़े गए कुछ लोगों को वापस भेज दिया गया है, जबकि अन्य लोग राज्य में ही बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें वापस खदेड़ने की प्रक्रिया राजनयिक चैनलों के माध्यम से चलाई जा रही है। मंत्री के अनुसार, सरकार ने अवैध अप्रवासियों के आगमन और नए गांवों के अप्राकृतिक विकास का पता लगाने और उनकी पहचान करने के लिए, पूर्व मंत्री अवांगबो न्यूमाई की अध्यक्षता में 7 अगस्त, 2024 को 12 सदस्यीय समिति का गठन किया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने समिति की कार्यवाई रिपोर्ट के संबंध में भी एक आदेश जारी किया है। इससे पहले, 16 फरवरी, 2023 को सरकार ने पूर्व जनजातीय मामलों के मंत्री लेतपाओ हाओकिप की अध्यक्षता में एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया था, जिसमें पूर्व मंत्री अवांगबो न्यूमाई और थ. बसंत कुमार सिंह सदस्य थे। गृह विभाग ने इसके बाद 24 मार्च, 2023 को आयुक्त एस. चौरसिया की अध्यक्षता में एक आधिकारिक कार्यकारी समिति का गठन किया। आईजीपी के. कबीब, उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों, उपमंडल अधिकारियों और उपमंडल पुलिस अधिकारियों सहित अन्य सदस्य समिति के सदस्य थे। इस समिति को अवैध अप्रवासियों के सत्यापन और कैबिनेट उप-समिति की सहायता करने का कार्य सौंपा गया था। हालांकि, कोंथौजम ने कहा कि सत्यापन प्रक्रिया, जो पहले ही शुरू हो चुकी थी, 3 मई, 2023 को राज्य में उत्पन्न हुए संकट के कारण बाधित हो गई। गृह मंत्री के अनुसार, पकड़े गए 24,475 अवैध अप्रवासियों में से 14,992 को अब तक वापस भेज दिया गया है। कामजोंग में, पता चले 6,545 प्रवासियों में से 5,378 को वापस भेज दिया गया है, जबकि शेष 1,167 को सामुदायिक हॉल में सरकार द्वारा संचालित शिविरों में आश्रय दिया गया है। तेंगनौपाल में, पता चले 3,560 प्रवासियों में से केवल 14 को ही वापस भेजा गया है। शेष 3,546 लोगों के बायोमेट्रिक विवरण दर्ज करने के बाद उन्हें संबंधित उपायुक्त की निगरानी में रखा गया है और उन्हें कहीं और जाने से रोकने के निर्देश दिए गए हैं। चंदेल में पाए गए 14,370 अप्रवासियों में से 9,600 को म्यांमार वापस भेज दिया गया है।

भकतपाड़ा एचएस स्कूल में ड्रग-फ्री इंडिया अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम

दरंग (हिंस)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की ए समवाय, भकतपाड़ा द्वारा सोमवार को *ड्रग-फ्री इंडिया* अभियान के तहत भकतपाड़ा एचएस स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, सोनापुर के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में एसएसबी के 8 कार्मिकों सहित विद्यालय के 88 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ और अनुशासित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में *ड्रग-फ्री इंडिया* का संदेश प्रसारित करना रहा।

असम में एक नवंबर से 23 जनवरी तक होगा *खेल महारण*, पहली बार अंडर-12 वर्ग शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कई महत्वपूर्ण फैसलों और घोषणाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में इस वर्ष 1 नवंबर से 23 जनवरी तक *खेल महारण* का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए अंडर-12 खेल महारण आयोजित किया जाएगा। राज्य के 300 प्रतिभाशाली बाल खिलाड़ियों को जलपान प्रदान किया जाएगा। खेल महारण का आयोजन पंचायत, विधानसभा क्षेत्र और जिला स्तर पर होगा, जबकि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं गुवाहाटी में आयोजित की जाएंगी। इस बार योगासन को भी खेल महारण में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न विभागों में सक्रिय दलालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी। प्रत्येक विभाग को दलाल मुक्त करने के लिए, पुलिस सख्त कदम उठाएगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही एक पोर्टल शुरू किया जाएगा, जिस पर दलालों के नाम दर्ज किए जा सकेंगे। दो लाख नियुक्तियों के लक्ष्य के बीच पदोन्नति प्रक्रिया होगी तेज डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार दो लाख नियुक्तियों के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रही है। कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को तेज करने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि सचिवालय में कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों की पदोन्नति अब चार वर्ष के बजाय तीन वर्ष में की जा सकेगी। मुख्यमंत्री के अनुसार, विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया को तेज करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

धुबड़ी में छह वर्षीय बच्ची से यौन उत्पीड़न के आरोप में 60 वर्षीय दुकानदार गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। असम के धुबड़ी जिले में छह वर्षीय बच्ची से कथित यौन उत्पीड़न के मामले में पुलिस ने एक 60 वर्षीय दुकानदार को गिरफ्तार किया है। घटना सितलाकाटी गांव में बंदीहाना पुलिस चौकी के अंतर्गत हुई। पुलिस ने आज बताया कि आरोपी की पहचान जुरान अली के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस कथित घटना के बाद बच्ची के परिवार की शिकायत मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। शिकायत के अनुसार, बच्ची आरोपी की दुकान पर गई थी। आरोप है कि जुरान अली उसे बहला-फुसलाकर दुकान के अंदर ले गया और उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। घर लौटने के बाद बच्ची ने अपने परिवार को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद परिजनों ने बंदीहाना पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई।

गवर्नर श्री आचार्य ने गुवाहाटी यूनिवर्सिटी के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया

गुवाहाटी। असम के गवर्नर श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज यूनिवर्सिटी कन्वेंशन सेंटर में गुवाहाटी यूनिवर्सिटी के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस प्रोजेक्ट की आधारशिला भारत के उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में रखी। उपराष्ट्रपति का स्वागत करते हुए, गवर्नर ने कहा कि शिक्षा के एक सम्मानित केंद्र, गुवाहाटी यूनिवर्सिटी में उनकी मौजूदगी असम के छात्रों और एकेडमिक समुदाय के लिए बहुत गर्व और प्रेरणा की बात है। उन्होंने श्री राधाकृष्णन के लंबे और समर्पित सार्वजनिक जीवन और जन-कल्याण, युवाओं के सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। गवर्नर ने कहा कि 250 करोड़ रुपए का यह इंफ्रास्ट्रक्चर

प्रोजेक्ट गुवाहाटी यूनिवर्सिटी की प्रगति की यात्रा में एक अहम पड़ाव है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को असम के भविष्य, वहां के युवाओं और रिसर्च, ज्ञान और इनोवेशन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक निवेश बताया। यूनिवर्सिटी की समृद्ध विरासत के बारे में बात करते हुए, श्री आचार्य ने कहा कि 300 से ज्यादा एफिलिएटेड कॉलेजों और 2.5 लाख से ज्यादा छात्रों के साथ, गुवाहाटी यूनिवर्सिटी पूर्वोत्तर भारत में एकेडमिक उत्कृष्टता के एक बड़े केंद्र के रूप में उभरी है। उन्होंने क्वालिटी एजुकेशन के प्रति यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता के प्रमाण के तौर पर इसके नाक ए+ एक्रेडिटेशन का भी जिक्र किया। गवर्नर ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के अनुरूप भारत की समृद्ध ज्ञान परंपराओं को आधुनिक शिक्षा के साथ जोड़ने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से परंपरा और टेक्नोलॉजी, संस्कृति और आधुनिकता, तथा ज्ञान और इनोवेशन के बीच तालमेल बिठाने और अपनी प्रतिभा को असम और देश के विकास में लगाने का आग्रह किया। उन्होंने गुवाहाटी यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित असमिया शब्दकोश *चंद्रकांत अभिधान* और *भूपेन हजारिका-हंड्रेड इयर्स ऑफ ए वांडरिंग सांग* के लॉन्च का भी स्वागत किया और इन्हें असमिया भाषा को संरक्षित और समृद्ध करने की दिशा में मूल्यवान प्रयास बताया। युवाओं से *विकसित असम* और *विकसित भारत* के विजन में योगदान करने का आह्वान करते हुए, गवर्नर ने कहा कि शिक्षण संस्थानों को मजबूत करना, शिक्षकों को सशक्त बनाना और युवा प्रतिभाओं को निखारना असम की प्रगति की कुंजी होगी। इस कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ. रानोज पेगु, मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, कुलपति प्रो. नानी गोपाल महंता, रजिस्ट्रार प्रो. उत्पल शर्मा, फैकल्टी सदस्य, छात्र और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

संतशिरोमणि बाबा गणिनाथ महाराज का पूजन एवं जन्मोत्सव समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

गुवाहाटी। मध्यदेशीय वैश्य महासभा, गुवाहाटी महानगर के तत्वावधान में हरियाणा भवन में संतशिरोमणि बाबा गणिनाथ जी महाराज का पूजन एवं जन्मोत्सव समारोह श्रद्धा, भक्ति एवं परस्पर प्रेम के बीच हर्षोल्लास के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। गुवाहाटी महानगर शाखा के महामंत्री राजू गुप्ता ने आज मीडिया के साथ बातचीत करते हुए बताया कि बीते 05 सितंबर को आयोजित समारोह में समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सेंट्रल गुवाहाटी के विधायक विजय गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं गुवाहाटी महानगर के अध्यक्ष शिव प्रसाद गुप्ता, विशेष अतिथि संतोष जयसवाल (अध्यक्ष कलवार समाज), अतिथि सुरेंद्र गोयाल (हरियाणा चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष), वरिष्ठ समाजसेवी बाजी लाल गुप्ता, दीनदयाल साह, नागेश्वर प्रसाद गुप्ता, बालेश्वर गुप्ता, बिनोद साह, लालदेव साह, जयनारायण कानु, रामचंद्र साह आदि ने बाबा गणिनाथ के पूजन समारोह में हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि विजय कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन के दौरान समाज में एकता, शिक्षा और सदाचार पर बल देते हुए, इन्हीं गुणों के द्वारा समाज में परिवर्तन पर जोर दिया। विशेष अतिथि कलवार समाज के अध्यक्ष संतोष जसवाल ने समाज में परिवर्तन के क्या-क्या गुण होना चाहिए पर विचार व्यक्त किया। इस बीच सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने विचार रखे। समारोह के दौरान समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान करते हुए पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके साथ ही रंग-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अंत में पुरस्कार वितरण के साथ ही समारोह संपन्न हुआ।

आय से अधिक संपत्ति मामले में असम विजिलेंस सेल ने धेमाजी डीडीसी के सरकारी आवास पर मारा छापा

धेमाजी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री की विजिलेंस सेल की नौ सदस्यीय टीम ने सोमवार को धेमाजी के जिला विकास आयुक्त (डीडीसी) एवं वरिष्ठ असम सिविल सर्विस (एसीएस) अधिकारी देबेश्वर बोरा के सरकारी आवास पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई कथित अनियमितताओं और ज्ञात आय के स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोपों की चल रही जांच के तहत की गई। गुवाहाटी से दो वाहनों में पहुंची विजिलेंस टीम ने बोरा के सरकारी आवास की तलाशी लेने के साथ उनसे पूछताछ भी की। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक मामले की विस्तृत जानकारी या तलाशी के दौरान जांचे जा रहे दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों का खुलासा नहीं किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक डॉक्टर की शिकायत के आधार पर विजिलेंस सेल ने मामला दर्ज किया था। शिकायत में स्वास्थ्य विभाग के तहत मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर बोरा के कार्यकाल के दौरान कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि प्रारंभिक जांच के दौरान बोरा से कथित रूप से जुड़ी कुछ संपत्तियां भी जांच के दायरे में आईं। गुवाहाटी और लखीमपुर स्थित संपत्तियों की भी विजिलेंस सेल द्वारा जांच किए जाने की जानकारी सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, जांच के घेरे में आई कुछ संपत्तियां बोरा की पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के नाम पर दर्ज हैं। जांचकर्ता इन संपत्तियों के स्वामित्व और इन्हें खरीदने में इस्तेमाल धन के स्रोतों की भी पड़ताल कर सकते हैं। सरकारी आवास में तलाशी और वरिष्ठ एसीएस अधिकारी से पूछताछ के जरिए विजिलेंस टीम को आरोपों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है। विजिलेंस सेल ने सोमवार की कार्रवाई या जांच में सामने आए तथ्यों को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। मामले में आगे की जानकारी जांच पूरी होने के बाद सामने आने की संभावना है।

फकीराग्राम सहकारी समिति की 53वीं वार्षिक साधारण सभा कल

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम थाना अंतर्गत फकीराग्राम सहकारी समिति लिमिटेड की वर्ष 2026-27 की 53वीं वार्षिक साधारण सभा आगामी 09 सितंबर को आयोजित की जाएगी। सभा का आयोजन सुबह 11 बजे से कोराइटी वीसीडीसी के सभाकक्ष में किया जाएगा। सभा में फकीराग्राम सहकारी समिति के सभी सदस्यों, डीलरों एवं हिस्सेदारों की उपस्थिति अपेक्षित है। समिति के अध्यक्ष जमिउल हक, उपसभापति गणेश चंद्र बर्मन, महासचिव मन दे तथा सदस्य राजकुमार ब्रह्म सहित व्यवसाय समिति के अन्य सदस्यों ने सभी संबंधित सदस्यों से निर्धारित समय पर सभा में उपस्थित रहने की अपील की गयी है। इस संबंध में फकीराग्राम सहकारी समिति के कार्यालय में आज आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से उपरोक्त जानकारी दी गई।

राज्यपाल श्री आचार्य ने श्रद्धांजलि सभा में ए बालकृष्णन को श्रद्धांजलि दी

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज गुवाहाटी में विवेकानंद केंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भाग लिया। यह सभा विवेकानंद केंद्र और विवेकानंद रॉक मेमोरियल के अखिल भारतीय अध्यक्ष ए बालकृष्णन की स्मृति में आयोजित की गई थी। राज्यपाल ने बालकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें एक समर्पित कर्मयोगी, राष्ट्र के महान सेवक और स्वामी विवेकानंद के निष्ठावान शिष्य के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि उनके निधन से विवेकानंद केंद्र, समाज और राष्ट्र को अपूरणीय क्षति हुई है। उनकी पांच दशकों से अधिक की निस्वार्थ सेवा को याद करते हुए, श्री आचार्य ने कहा कि स्वर्गीय बालकृष्णन ने अपना जीवन राष्ट्र-निर्माण, युवा जागरण, शिक्षा और चरित्र-निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। भारतीय वायु सेना में सेवा करने के बाद, श्री एकनाथ जी रानाडे के आह्वान से प्रेरित होकर वे 1973 में विवेकानंद केंद्र के शुरुआती *जीवनव्रती* कार्यकर्ताओं में से एक के रूप में शामिल हुए। राज्यपाल ने विशेष रूप से पूर्वोत्तर के साथ स्वर्गीय बालकृष्णन के गहरे जुड़ाव और असम तथा अरुणाचल प्रदेश में शिक्षा, समाज सेवा और विवेकानंद केंद्र के कार्यों के विस्तार में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि इस विजन के तहत स्थापित स्कूल आज भी छात्रों में संस्कार, राष्ट्रीय चेतना और सेवा की भावना का संचार कर रहे हैं। श्री आचार्य ने कहा कि स्वर्गीय बालकृष्णन की सादगी, विनम्रता और प्रतिबद्धता ने उन्हें कर्मयोग का सच्चा प्रतीक बना दिया। उन्होंने कहा कि महान हस्तियां भले ही शारीरिक रूप से दुनिया से चली जाएं, लेकिन उनके विचार, मूल्य और कार्य पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि बालकृष्णन के विजन को आगे बढ़ाना और उनके द्वारा पोषित सेवा की परंपरा को मजबूत करना ही उनके जीवन भर के योगदान के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

रंगिया पुलिस के अभियान में 10.21 किग्रा गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया थाना के प्रभारी मिंटू बोड़ो के नेतृत्व में चलाए गए एक गुप्त अभियान के दौरान भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया और इस अभियान में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि धरणी दास नाम का एक व्यक्ति अपने घर में अवैध रूप से गांजा जमा करके रखा हुआ है। वह वैद्य/कविराज का वेश धारण कर खुदरा व्यापारियों को गांजे की आपूर्ति कर यह अवैध धंधा चला रहा था। इस सूचना के आधार पर आज तड़के पुलिस की एक टीम ने धरणी दास के घर पर अचानक छापेमारी की और 10 किलो 21 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर उसे जब्त कर लिया। अभियान के दौरान मुख्य आरोपी धरणी दास भागने में सफल रहा, हालांकि पुलिस ने इस काले कारोबार से जुड़े उसके परिवार के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है।

धुबड़ी में असम गण परिषद का अभिनंदन समारोह आयोजित

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी शहर में स्थित एक नंबर वार्ड में शंकर देव शिशु उद्यान में असम गण परिषद धुबड़ी जिला समिति और असम गण परिषद विधान परिषद के सहयोग से सांगठनिक और अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित बरपेटा के सांसद फनी भूषण चौधरी, बिलासिपाड़ा के विधायक जीवेश राय, असम गण परिषद के उपसभापति अपूर्व कुमार भट्टाचार्य, धुबड़ी जिला अध्यक्ष विश्वजीत कलिता, धुबड़ी विधान परिषद के अध्यक्ष आर भट्टाचार्जी तथा पूरे जिले से आए कार्यकर्ता बैठक में उपस्थित रहे। उक्त बैठक का मूल उद्देश्य यह था कि पार्टी के जनादेश पूरे जिले के पांचों विधानसभा सीट पर असम गण परिषद कैसे अपना लोकप्रियता बढ़ा सके इसके ऊपर विशेष चर्चा रखी गई थी।

रंगिया के विधायक भवेश कलिता के जन्मदिन पर प्रशंसकों ने दीं शुभकामनाएं

रंगिया (विभास)। रंगिया विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक भवेश कलिता का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उनके प्रशंसकों, समर्थकों और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दीं और उनके सुस्वास्थ्य, दीर्घायु तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जन्मदिन के अवसर पर विधायक कलिता को बधाई संदेशों की बाढ़ सी आ गई। फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रशंसकों ने उन्हें बधाई दी और उनकी तस्वीरें साझा कीं। क्षेत्रवासियों ने उनकी लंबी आयु और स्वस्थ भविष्य की भगवान से प्रार्थना की। इस खास मौके पर मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने दीप प्रज्वलित किए और विधायक कलिता की खुशियों और सफलता की कामना की।

शक्ति आश्रम में बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता सभा आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के दोतमा विकास खंड के अंतर्गत खुकसी ब्रजखाल गांव स्थित स्वामी योगानंद गिरि हाई स्कूल में बाल विवाह और बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता सभा आयोजित की गई। गैर-सरकारी संस्था सत्र एनजीओ के तत्वावधान में आयोजित इस सभा का उद्देश्य समाज में बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना था। एनजीओ की ओर से आज बताया गया है कि बीते 5 सितंबर को आयोजित सभा की अध्यक्षता केबीएसएमई स्कूल के प्रधानाध्यापक मलेन राजवंशी ने किया। कार्यक्रम में एनजीओ के जिला समन्वयक प्रांजल बरुवा, स्वामी योगानंद गिरि हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक ज्योतिष राय, सीएसडब्ल्यू मीना बर्मन सहित दोनों विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं, अभिभावक तथा गांवबूढ़ा समेत स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभा में वक्ताओं ने बाल विवाह के सामाजिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही बाल श्रम से बच्चों के भविष्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव और उन्हें शिक्षा के अधिकार से जोड़ने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह और बाल श्रम को रोकने के लिए परिवार, विद्यालय, समाज तथा प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। कार्यक्रम के माध्यम से अभिभावकों एवं ग्रामीणों से बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए जागरूक एवं जिम्मेदार भूमिका निभाने की अपील की गई।

राष्ट्रीय नेत्र दान पखवाड़े के दौरान कामरूप में नेत्र दान जागरूकता अभियान को तेज किया गया

अमिनगांव। कामरूप जिले ने 25 अगस्त से 8 सितंबर तक मनाए जा रहे राष्ट्रीय नेत्र दान पखवाड़े के हिस्से के रूप में नेत्र दान पर जागरूकता पहल को बढ़ाया है, जिसका ध्यान इस महान मानवतावादी संदेश को ग्रामीण स्तर तक पहुंचाने पर केंद्रित है। पखवाड़े के हिस्से के रूप में, जिले भर में बीपीएचसी स्तर की सुविधाओं पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। सोमवार को आमिंगांव के तोलाराम बाफना सिविल अस्पताल में जिला स्तरीय जागरूकता बैठक आयोजित की गई, जहां कामरूप के जिला उपायुक्त देवा कुमार मिश्रा ने ग्रामीण स्तर पर निरंतर जागरूकता प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बीपीएचसी स्तर की सुविधाओं पर जागरूकता गतिविधियों को मजबूत करने और आशा कार्यकर्ताओं को नेत्र दान के प्रति संवेदनशील बनाने पर बल दिया, ताकि वे इस संदेश को प्रभावी ढंग से ग्रामीण समुदायों तक पहुंचा सकें। इस अवसर पर बोलते हुए, गौहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के नेत्र विज्ञान विभाग की प्रोफेसर डॉ. भारती देउरी ने नेत्र दान के वैज्ञानिक पहलुओं पर एक जानकारीपूर्ण प्रस्तुति दी। इसके महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने कहा कि नेत्र दान दृष्टि को बहाल करने और कॉर्नियल अंधापन से पीड़ित लोगों के जीवन में रोशनी लाने में मदद कर सकता है। नारायणा अस्पताल के एमडी डॉ. समर दत्ता ने भी नेत्र दान की आवश्यकता, इसमें शामिल प्रक्रिया और इस जीवन बदलने वाले कारण को बढ़ावा देने में समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर बात की। कार्यक्रम की शुरुआत कामरूप के राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण और दृष्टि बाधा कार्यक्रम के जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पद्मेश्वर कलिता के स्वागत भाषण से हुई।

संपादकीय

पीएम संबोधन में शिक्षा गायब

पांच सितंबर को 'शिक्षक दिवस' आया और चला गया। कुछ रस्मी आयोजन जरूर किए गए। देश में यह दिवस प्रथम उपराष्ट्रपति एवं दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर मनाया जाता है। वह महान दार्शनिक और शिक्षाविद थे। राधाकृष्णन की अदम्य और विनम्र इच्छा थी कि उनका जन्मदिन शिक्षा और शिक्षकों को समर्पित किया जाए, तो अच्छा रहेगा। 1962 से यह सिलसिला जारी है कि 5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक को 'नियति का निर्माता' करार दिया है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से मुलाकात की। उनके साथ हल्के-फुल्के पल बीते। बच्चों के संदर्भ में स्क्रीन टाइम और नशे की लत से बचाने की नसीहत भी दी। इसी दिन प्रख्यात श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का 'शताब्दी समारोह' भी मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों की युवा पीढ़ी, जेन-जी, को संबोधित भी किया। अपेक्षा थी कि प्रधानमंत्री शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार पर सरकार की नीतियों और विचाराधीन कार्यक्रमों, योजनाओं पर कुछ साझा करेंगे, लेकिन उनका संबोधन 2013 की स्थितियों और 'आधा गिलास खाली' की राजनीति पर ही केंद्रित रहा। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि 2014 से पहले का कालखंड निराशा, हताशा के दलदल में फंसा था। घोटाले चरम पर थे। विकास फर्श पर और महंगाई अर्श पर थी। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप इंटरनेट खोल कर सब कुछ पढ़ और जान सकते हैं कि तब हालात क्या थे? दरअसल हमारा सवाल यहीं उभरता है कि क्या अध्ययनरत छात्रों का यही सरोकार होना चाहिए? उन्हें शिक्षा, परीक्षा, रोजगार के प्रति आश्वस्त नहीं किया जाना चाहिए था? प्रधानमंत्री का संबोधन था, न कि एक विशुद्ध राजनेता छात्रों के साथ संवाद कर रहा था। यहां हम कुछ आंकड़े फिर दोहरा रहे हैं, ताकि पाठक और सरकार जान सकें कि देश में स्कूली शिक्षा और आधारभूत ढांचे का यथार्थ क्या है? 2014-25 के दौरान 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं और 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक (शिक्षक) है। क्या वह अपने शिक्षक-धर्म को निभा सकता है? करीब 70,000 स्कूलों में शौचालय की सुविधा नहीं है, 55083 स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है, 4.08 लाख स्कूलों में कम्प्यूटर की व्यवस्था नहीं है, 46345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं हैं और देश के 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों से ही शिक्षित होने को बाध्य हैं। करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। ऐसे यथार्थ में हम एक पर्याप्त पढ़ी-लिखी, हुनरमंद जेन-जी की पीढ़ी कैसे पैदा कर सकते हैं? ऐसे कई आंकड़े प्रधानमंत्री मोदी के ध्यान में होंगे! उन्हें 'शिक्षक दिवस' पर कौन-सा प्रधानमंत्री संबोधन स्वीकार करेगा? छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार की खूब गालवजाई की। पहली तिमाही की विकास दर 7.8 फीसदी को 'अतुलनीय' और वैश्विक करार दिया। प्रधानमंत्री ने करीब 60 करोड़ जन-धन खातों, देश की 50 फीसदी आबादी के बैंक खातों, करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए के मोबाइल निर्यात, करीब 2 लाख करोड़ रुपए के रक्षा उत्पादन और करीब 40,000 करोड़ रुपए के रक्षा-निर्यात, रेलवे के 100 फीसदी विद्युतिकरण के साथ-साथ नक्सलवाद के खात्मे और 'दिमागी नक्सल' की होम्योपैथिक गोली आदि का भी उल्लेख किया।

1962 से यह सिलसिला जारी है कि 5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षक को 'नियति का निर्माता' करार दिया है, तो प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से मुलाकात की। उनके साथ हल्के-फुल्के पल बीते। बच्चों के संदर्भ में स्क्रीन टाइम और नशे की लत से बचाने की नसीहत भी दी। इसी दिन प्रख्यात श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का 'शताब्दी समारोह' भी मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों की युवा पीढ़ी, जेन-जी, को संबोधित भी किया। अपेक्षा थी कि प्रधानमंत्री शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार पर सरकार की नीतियों और विचाराधीन कार्यक्रमों, योजनाओं पर कुछ साझा करेंगे, लेकिन उनका संबोधन 2013 की स्थितियों और 'आधा गिलास खाली' की राजनीति पर ही केंद्रित रहा। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि 2014 से पहले का कालखंड निराशा, हताशा के दलदल में फंसा था। घोटाले चरम पर थे। विकास फर्श पर और महंगाई अर्श पर थी। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप इंटरनेट खोल कर सब कुछ पढ़ और जान सकते हैं कि तब हालात क्या थे? दरअसल हमारा सवाल यहीं उभरता है कि क्या अध्ययनरत छात्रों का यही सरोकार होना चाहिए? उन्हें शिक्षा, परीक्षा, रोजगार के प्रति आश्वस्त नहीं किया जाना चाहिए था? प्रधानमंत्री का संबोधन था, न कि एक विशुद्ध राजनेता छात्रों के साथ संवाद कर रहा था। यहां हम कुछ आंकड़े फिर दोहरा रहे हैं, ताकि पाठक और सरकार जान सकें कि देश में स्कूली शिक्षा और आधारभूत ढांचे का यथार्थ क्या है? 2014-25 के दौरान 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं।

ये उल्लेख प्रधानमंत्री करते भी रहे हैं तथा किसी और मौके पर जिक्र कर सकते थे। रोजगार के संदर्भ में सिर्फ यही कहा-'अवसर पैदा हो रहे हैं।' शायद प्रधानमंत्री जानते होंगे कि केंद्र सरकार में अब भी 8,23,556 स्वीकृत पद खाली पड़े हैं। रक्षा मंत्रालय और रेलवे में ही करीब 2.41 लाख (प्रत्येक में) पद रिक्त हैं। सरकार इन पदों पर नियुक्तियां क्यों नहीं करती? आखिर हमारी अर्थव्यवस्था 4.15 ट्रिलियन डॉलर की है और हम सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था भी हैं। गौरतलब यह भी है कि 2005-23 के दौरान 21 राज्यों में कुल 220 परचे लीक हुए, नतीजतन करीब 10 करोड़ छात्र उनसे प्रभावित हुए। 'शिक्षक दिवस' कुल 1 करोड़ से अधिक अध्यापकों, शिक्षकों को समर्पित घोषित किया जाता है। यदि प्रधानमंत्री भी शिक्षा, स्कूल, परीक्षा, रोजगार की बात नहीं करेंगे, तो पूर्व राष्ट्रपति राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अधूरी और रस्मी ही होगी। महंगाई का आलम तो यह है कि करीब 40 करोड़ भारतीय महंगी स्वास्थ्य सेवाओं का खर्च नहीं उठा सकते। प्रधानमंत्री इन संदर्भों में क्या कहना चाहेंगे।

विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है

सत्य निकेतन हादसाः जिम्मेदार अधिकारियों पर हो ठोस कार्रवाई

प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि यह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा।

दिल्ली के सत्य निकेतन में रविवार को पांच मंजिला छात्र-पीजी भवन का भरभराकर गिर जाना केवल एक दर्दनाक हादसा नहीं है। यह उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जो भवन बनने देती है, उसमें अनधिकृत निर्माण होने देती है, उसमें विद्यार्थियों को रहने देती है, उसकी कमजोरियों को वर्षों तक नजरअंदाज करती है और फिर उसके ढह जाने के बाद जागती है। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत की सूचना है और कई लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन में बेसमेंट और कई ऊपरी मंजिलों में मरम्मत या निर्माण संबंधी काम चल रहा था। प्रशासन ने मजिस्ट्रेट जांच और भवन मालिक के खिलाफ एफआईआर के आदेश दिए हैं। लेकिन असली सवाल यह नहीं है कि हादसे के बाद किसके खिलाफ एफआईआर होगी? असली सवाल यह है कि हादसे से पहले जिम्मेदार अधिकारी कहां थे? यदि निर्माण नियमों का उल्लंघन था, यदि भवन का स्वीकृत नक्शा नहीं था, यदि अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं, यदि बेसमेंट में निर्माण चल रहा था, यदि भवन छात्रों के रहने के लिए इस्तेमाल हो रहा था और यदि वह संरचनात्मक रूप से जोखिमपूर्ण था, तो इन सबका पता प्रशासन को तब क्यों नहीं चला जब वहां निर्माण हो रहा था? सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के आसपास विद्यार्थियों का प्रमुख इलाका है। देश के विभिन्न राज्यों से हजारों युवा यहां अपने भविष्य के सपने लेकर आते हैं। वे छोटे-छोटे कमरों, पीजी और किराये के मकानों में रहकर पढ़ते हैं। उनके माता-पिता अपनी जीवनभर की कमाई का बड़ा हिस्सा बच्चों की शिक्षा पर लगाते हैं और यह विश्वास करते हैं कि राजधानी में उनका बच्चा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जब शिक्षा की तलाश में निकला युवा एक ऐसी इमारत में पहुंचता है, जिसकी नींव ही नियमों और सुरक्षा के साथ समझौते पर टिकी हो, तो विकास की हमारी पूरी अवधारणा कटघरे में खड़ी हो जाती है और यह कोई पहली चेतावनी नहीं है। 2022 में भी सत्य निकेतन में निर्माणाधीन चार मंजिला इमारत ढहने से दो मजदूरों की मौत हुई थी और चार लोग घायल हुए थे। उस समय भी निर्माण कार्य, सुरक्षा और भवन की निगरानी

पर सवाल उठे थे। लगभग चार साल बाद उसी इलाके में फिर एक बड़ी इमारत ढह गई। इसका अर्थ है कि हमने घटना से सबक लेने के बजाय घटना को एक समाचार की तरह देखा और आगे बढ़ गए। यहां भ्रष्टाचार की बात करते समय एक सावधानी भी जरूरी है। किसी अधिकारी या व्यवसायी को बिना जांच दोषी ठहराना उचित नहीं। लेकिन यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि नियमों के विरुद्ध निर्माण को जानबूझकर नजरअंदाज किया गया, निरीक्षण में लापरवाही हुई या किसी प्रकार की मिलीभगत रही, तो जिम्मेदारी केवल भवन मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जिसने नियम तोड़े और जिसने नियम तोड़ने दिए-दोनों को जवाबदेह बनाना होगा। सत्य निकेतन की त्रासदी को जुलाई 2024 के पुराने राजेंद्र नगर हादसे से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वहां राव आईएएस स्टडी सर्किल के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन सिविल सेवा अभ्यर्थियों-तनीया सोनी, श्रेया यादव और नवीन डालविन की मृत्यु हुई थी। सबसे भयावह तथ्य यह था कि बेसमेंट का उपयोग लाइब्रेरी के रूप में हो रहा था, जबकि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार उसे पार्किंग और स्टोरेज के लिए इस्तेमाल किया जाना था। इससे भी अधिक चिंताजनक बात सामने आई-हादसे से लगभग एक महीने पहले एक विद्यार्थी ने एमसीडी में शिकायत की थी। भारत में भवन निर्माण के लिए नियमों की कमी नहीं है। नक्शा स्वीकृति, भवन उपविधियां, अग्नि सुरक्षा, संरचनात्मक सुरक्षा, अधिभोग प्रमाणपत्र, पार्किंग, बेसमेंट के उपयोग-हर क्षेत्र के लिए नियम हैं। लेकिन समस्या नियमों की संख्या नहीं, उनके पालन की ईमानदारी है। जब किसी भवन में एक मंजिल की अनुमति हो और चार-पांच मंजिलें खड़ी हो जाएं, जब बेसमेंट स्टोरेज के लिए स्वीकृत हो और वहां लाइब्रेरी या व्यावसायिक गतिविधि चलने लगे, जब सड़क की जलनिकासी बाधित हो और फिर भी निर्माण चलता रहे-तो सवाल केवल नागरिक की मनमानी का नहीं है। सवाल उस पूरी निगरानी व्यवस्था का है, जो आंखों के सामने होने वाले बदलाव को देखने के बावजूद समय पर कार्रवाई नहीं करती। भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने का नाम नहीं है। भ्रष्टाचार वह भी है जब कोई जिम्मेदार व्यक्ति अपने कर्तव्य को जानबूझकर न निभाए। किसी अवैध निर्माण को देखकर आंखें बंद कर लेना भी व्यवस्था के प्रति अपराध है। किसी भवन को जोखिमपूर्ण जानते हुए कार्रवाई न करना भी भ्रष्ट प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा है। सरकारी भवन भी सुरक्षित नहीं तो आम आदमी किस पर भरोसा करे? मई 2024 में दिल्ली के आईटीओ स्थित सेंट्रल रेवेन्यू बिल्डिंग में आग लगी थी। 46 वर्षीय ऑफिस सुपरिंटेंडेंट की धुएं में दम घुटने से मृत्यु हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार भवन पुराना था और उसमें आधुनिक फायर-स्प्रिंकलर व्यवस्था भी नहीं थी। यह घटना एक और सवाल सामने रखती है-जब सरकारी भवनों में भी सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, तो निजी और अनधिकृत भवनों की निगरानी की स्थिति क्या होगी? मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु और देश के अन्य महानगरों में अनियोजित शहरी विस्तार लगातार बढ़ रहा है। जमीन सीमित है, जनसंख्या बढ़ रही है, किराये की मांग बढ़ रही है और व्यावसायिक हित अधिकतम जगह का अधिकतम उपयोग चाहते हैं। ऐसे में यदि शासन मजबूत नियमन और वैज्ञानिक शहरी नियोजन नहीं करेगा तो शहर ऊपर की ओर बढ़ेंगे, लेकिन उनकी सुरक्षा नीचे गिरती जाएगी। दुर्घटना के बाद वही परिचित दृश्य सामने आता है-मंत्री घटनास्थल पर पहुंचते हैं, अधिकारी बैठक करते हैं, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच समिति बनती है, कुछ भवन सील होते हैं, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं और कुछ दिनों तक प्रशासन सक्रिय दिखाई देता है। फिर धीरे-धीरे सब सामान्य हो जाता है। लेकिन किसी मृत विद्यार्थी के माता-पिता के लिए कुछ भी सामान्य नहीं होता। उनके लिए वह एक जांच समिति नहीं, जीवनभर का खालीपन है। उनके लिए मुआवजे की राशि उनके बेटे या बेटी का विकल्प नहीं है। वे यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा सुरक्षित क्यों नहीं था? किसने सुरक्षा की गारंटी दी थी? किसने निगरानी की थी? किसने खतरे को नजरअंदाज किया था? इसलिए जांच का उद्देश्य केवल दोषी व्यक्ति ढूंढना नहीं होना चाहिए। जांच को यह भी पता लगाना चाहिए कि किस स्तर पर सिस्टम विफल हुआ। फाइल कहां रुकी? निरीक्षण किसने किया? शिकायत किसने दबाई? नक्शा किस आधार पर स्वीकार हुआ? अवैध निर्माण वर्षों तक कैसे चलता रहा? भवन में रहने वालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी? और सबसे महत्वपूर्ण-क्या उन अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी जिनकी जिम्मेदारी ही ऐसे हादसों को रोकना थी? सत्य निकेतन के मलबे से आज देश को केवल छह मौतों का आंकड़ा नहीं देखना चाहिए। वहां दबे हुए सपनों को देखना चाहिए।

देश | दुनीया से

अर्थव्यवस्था में सेवा निर्यात की अहमियत

इन दिनों सेवा निर्यात पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में सेवा निर्यात को भारत की आर्थिक ताकत के रूप में रेखांकित किया जा रहा है। दुनिया में भारत को श्रेष्ठ सेवा निर्यात प्रदाता देश के रूप में प्रतिष्ठित किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और घटते हुए वैश्विक निर्यात के बीच जहां सेवा निर्यात भारत के कुल निर्यात को नई ऊंचाई दे रहा है, वहीं यह भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता हुआ भी दिखाई दे रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2026-27 के तहत अप्रैल-जुलाई 2026 के चार महीनों में कुल सेवा निर्यात 6.38 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 142.64 अरब डॉलर दर्ज किया गया है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस वित्तीय वर्ष में सेवा निर्यात पिछले वित्त वर्ष के 421.32 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर से भी ऊपर पहुंच जाएगा। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत से ही भारत के सेवा निर्यात ने वैश्विक सुस्ती के बीच उल्लेखनीय बढ़त दिखाई है। इस अवधि के दौरान पेशेवर परामर्श, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल समाधानों की अंतरराष्ट्रीय मांग में लगातार उछाल दर्ज किया गया। भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों के विस्तार और विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों ने भारतीय सेवा प्रदाताओं को विदेशी बाजारों में बेहतर पहुंच प्रदान की है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, इस वित्त वर्ष के दौरान भारत के सूचना प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर सेवा निर्यात में व्यापक विस्तार हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल परिवर्तन की बढ़ती मांग ने इस निर्यात को नई दिशा दी

है। सॉफ्टवेयर उत्पादों के साथ-साथ इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास सेवाओं ने निर्यात राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। केंद्रीय बजट 2026-27 में घोषित अनुकूल कर राहतों और नीतिगत सुधारों से भारतीय कंपनियों को वैश्विक ग्राहकों को आकर्षित करने में सीधी मदद मिली है। इसके अतिरिक्त भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों ने अपने पारंपरिक बाजारों के अलावा नए भौगोलिक क्षेत्रों में व्यवसाय का विस्तार किया है। विश्व व्यापार संगठन का कहना है कि वैश्विक सेवा निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई है, जो पिछले दो दशकों में दोगुनी से अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वैश्विक क्षमता केंद्रों और डिजिटल समाधानों की वैश्विक मांग ने भारत को विश्व के शीर्ष सेवा निर्यातक देशों में मजबूती से स्थापित कर दिया है। वैश्विक सेवा निर्यात में भारत ने दुनिया में 7वां स्थान प्राप्त कर लिया है, जबकि वर्ष 2001 में भारत 24वें स्थान पर था। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही के महीनों में अमरीका द्वारा कठोर वीजा नियमों, वीजा साक्षात्कार पर अस्थायी रोक और वीजा शुल्क में वृद्धि जैसे सेवा निर्यात की राह में कठोर कदमों के बावजूद, चालू वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल से जुलाई की अवधि में भारत से सेवा निर्यात अमरीका को भी बढ़ा है। यदि हम भारत से अमरीका को सेवा निर्यात में वृद्धि के मुख्य कारणों को देखें, तो पाते हैं कि अमरीका की वीजा पाबंदियों (जैसे एच-वन-बी वीजा फीस) में अत्यधिक वृद्धि के कारण अमरीकी कंपनियों ने भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों का विस्तार किया है। इससे भारत में रहते हुए भी काम का रुझान बढ़ा है। टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो जैसे भारतीय दिग्गज आईटी संस्थानों ने अमरीका में स्थानीय निवासियों की भर्ती बढ़ाई है, जिससे नए वीजा प्रायोजन पर निर्भरता कम हुई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड कंप्यूटिंग और रिमोट वर्क मॉडल की बढ़ती मांग ने वीजा यात्रा की आवश्यकता को घटाकर डिजिटल सेवा प्रदायगी को नया बल दिया है। निःसंदेह भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के माध्यम से सेवा निर्यात बढ़ाने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें भी कोई दो मत नहीं हैं कि भारत के वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) सेवा निर्यात के लिए गेम चेंजर साबित हो रहे हैं। इस समय भारत 2177 वैश्विक क्षमता केंद्रों के साथ दुनिया के सबसे बड़े और प्रमुख केंद्र के रूप में उभरकर सामने आया है। दुनिया के करीब 55 प्रतिशत से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र अकेले भारत में हैं। भारत में ये केंद्र सीधे तौर पर 23 लाख से अधिक पेशेवरों को रोजगार दे रहे हैं और यह क्षेत्र सालाना लगभग 100 अरब डॉलर का राजस्व पैदा कर रहा है। भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों की रफ्तार में तेजी की स्थिति यह है कि दो साल पहले (साल 2024 में) जहां भारत में हर हफ्ते औसतन 1 नया केंद्र खुल रहा था, वहीं अब यह रफ्तार बढ़कर प्रतिदिन 1 नए केंद्र की स्थापना के रूप में बदल चुकी है। निःसंदेह सेवा निर्यात की इन विभिन्न अनुकूलताओं के बावजूद भारत से सेवा निर्यात को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए कई ढांचागत और नीतिगत चुनौतियों को दूर करना आवश्यक है। हाल ही में नीति आयोग ने 'भारत का सेवा क्षेत्र : पेशेवर सेवाओं में नियामक व्यवस्था संबंधी अंतर्दृष्टि' शीर्षक से एक व्यापक रिपोर्ट जारी की है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत के सेवा क्षेत्र में मौजूद नियामक बाधाओं को समाप्त कर भारतीय पेशेवरों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करना है। रिपोर्ट के तहत सेवा निर्यात को तेजी से बढ़ाने की राह में जो चुनौतियां बताई गई हैं, उनमें कानूनी, लेखा, वास्तुकला और स्वास्थ्य क्षेत्रों में असमान नियम व नियामक बिखराव प्रमुख बाधाएं हैं, जिससे सेवा निर्यात से जुड़े पेशेवरों की वैश्विक गतिशीलता प्रभावित होती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए जो नई रणनीतियां बताई गई हैं।

कुछ | अलग

कितने इंच जुबान

अचानक सरकार को लगा कि चौराहों पर बोलने वालों पर पाबंदी लगा दी जाए। बोलने वालों की जुबान जितनी लंबी है, उतनी गंदी है, इसलिए जुबान की प्रतियोगिता करवा दी गई। आश्चर्य यह कि जुबान दिखाने के लिए प्रतियोगी इतने बढ़ गए कि फैसला हुआ कि पहले ऑडिशन करवाए जाएं। फिर सौंदर्य प्रतियोगिता की तरह इनके सेमी तथा फाइनल करवाए जाएं। अमूमन लोग जुबान को छुपा कर रखते हैं, लेकिन यहां तो देखादेखी में सभी को वहम था कि उनकी छह, आठ या दस इंची लंबी भी हो सकती है जुबान। हैरानी तब हुई जब लंबी जुबान की प्रतियोगिता में गूंगे भी उतर गए। यह उनका दावा था कि जिस दिन बोले उस दिन सत्ता के कान फट जाएंगे। गूंगों ने फीस अदा की थी, तो उन्हें प्रतिभागी बनाना ही पड़ा। कुछ बहरे भी कान के बजाय जीभ दिखाने उतर गए। इस बार हैरानी की बात यह कि महिलाओं के मुकाबले ज्यादा पुरुष थे, जिन्हें अपनी जुबान पर यकीन था।

दृष्टि | कोण

शिक्षा बचाने के लिए शिक्षक की बड़ी भूमिका

यह कहने में मुझे (लेखक को) कोई संकोच नहीं कि जब छात्र शिक्षक दिवस पर शुभकामनाएं भेजते हैं, तो साथ मिलकर किए गए काम और क्रमिक विकास के उन खूबसूरत दिनों को याद करके खुशी महसूस होती है। बहुत आभार के साथ उन महान शिक्षाविदों को भी याद करता हूं जिनके प्रभाव ने पढ़ाने के मेरे तौर-तरीके को स्वरूप दिया। निस्संदेह, डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण होता है-उनकी विद्वत्ता और दार्शनिक सोच का। सावित्रीबाई फुले भी जेहन में आते हैं-हमारे पुरुष प्रधान और जाति-व्यवस्था वाले समाज में दबे-कुचले व हाशिए पर पड़े लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए उनकी हिम्मत और समर्पण के लिए। लेखक के मुताबिक, 'अपने ढंग से मैं पाउलो फ्रेरे और बेल हुक्स जैसे लोगों के विचारों से जुड़ा- मुक्त विचारयुक्त शिक्षा की भावना, जिसने हमें प्रेरित किया; या मुझे रवींद्रनाथ टैगोर की काव्यात्मक रचना 'ए पोएट्स स्कूल', जिद्दू कृष्णमूर्ति की किताब 'स्कूल विदाउट फियर' और गिजूभाई बधेका के अद्भुत शिक्षण प्रयोग-जिसका जिक्र उनकी किताब 'दिवास्वप्न' में है-इनसे पुनः प्रेरित होना मुझे पसंद है। खुशी है कि किसी सत्ता के लालच ने नहीं, बल्कि सीखने, भूलने व अध्यापन के आनंद ने मेरी नियति को आकार दिया।' तथापि, लेखक स्वीकार करते हैं कि मौजूदा कठिन दौर में, उन्हें कुछ बेचैनी महसूस होने लगी है। उनके मुताबिक, 'क्या मैं सच में उस स्थिति में खुश हो सकता हूं और शिक्षक दिवस मना सकता हूं, जब हमारे शैक्षणिक संस्थानों की हालत बद से बदतर होते पाऊं और अपने छात्रों का दुख महसूस करूं? क्या अब इस

दिन को मनाने की कोई वजह बची है?' असंतुष्ट छात्रों की इस पीढ़ी के संत्रास के बारे में सोचिए। हां, उनमें अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता है; और तनाव एवं बेचैनी से त्रस्त हैं। चाहे कोई अत्यंत कुलीन विद्यालय का छात्र हो या किसी छोटे शहर का वह युवा जो मानक बना दिए गए 'नीट' जैसी अहम कठिन परीक्षा की तैयारी कर रहा हो, इस पीढ़ी का तनाव वाकई चिंता की बात है। जब यह लेख लिखा जा रहा है तो आईआईटी-दिल्ली में एमएससी के एक छात्र की खुदकुशी की खबर आई और इस दुखद घटना पर प्रशासन के लापरवाही और अफसरशाही भरे रवैये के कारण वहां तनाव का माहौल है। इसी तरह, यह सोचकर कर दिल टूट जाता है कि नीट परीक्षा लीक विवाद के कारण इम्तिहान रद्द किए जाने और दोबारा तारीख तय होने के बाद कई छात्रों ने खुदकुशी कर ली थी। जब राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़ों पर नजर डालते हैं -2024 में छात्रों की आत्महत्या के 14,488 मामले- तो अहसास होता है कि काफी असमानता और असंतुलन वाले इस समाज में ऊपर उठने की होड़ ने हमारे छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को कितना नुकसान पहुंचाया है। इसी प्रकार, हमारे स्कूलों और विश्वविद्यालयों की दयनीय हालत के बारे में सोचिए। जहां गुमनाम गांवों और छोटे कस्बों में भी शानदार नामों वाले इंग्लिश-माध्यम/प्राइवेट स्कूल दिख जाते हैं, वहीं सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक में 94,000 सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं, देखिए कि किस प्रकार व्यवस्था ने अध्यापन के पेशे की अहमियत को घटाया है और उसे मामूली समझता है। वरना, इस बात को कैसे समझा सकते हैं कि सरकारी स्कूल के शिक्षकों को अक्सर पढ़ाना छोड़कर चुनाव का काम, जनगणना और वोटर लिस्ट में सुधार जैसे गैर-शैक्षणिक/प्रशासनिक काम करने में लगा दिया जाता है? इसके अलावा, यहां एक ऐसा तंत्र है जो अध्यापन से प्यार करने वालों का हौसला तोड़ता है।

आप का | नजरीया

वास्तविकताओं से दूर

प्रदेश की वित्तीय व्यवस्था के मूल तत्व और आर्थिक सिद्धांत इस समय बुरी स्थिति में हैं, इसलिए कैग की रिपोर्ट हिमाचली वजूद की निशानियों में आपत्तिजनक मिलावट खोज चुकी है। हम एक कर्जप्रधान आर्थिकी के खंभे से लटके हैं और यह बात हमारे जनप्रतिनिधियों, सरकार व आम जनता को समझ लेनी चाहिए। कैग रिपोर्ट ने बढ़ते राजस्व घाटे (6804 करोड़) व राजकोषीय (12611 करोड़) घाटे के नीचे आर्थिक हजामत देखी है। आश्चर्य यह कि राजस्व का 86 प्रतिशत हिस्सा पेंशन, वेतन, सबसिडी और कर्ज चुकाने में जा रहा है। इस तरह मात्र चौदह प्रतिशत खर्च से हमें प्रदेश के सपने, विकास तथा आगे बढ़ने के उपाय करने हैं। जाहिर है यहां आत्मनिर्भरता के सारे नारे और बुलंद हिमाचल की तस्वीर पर छींटाकशी हो रही है। क्या हम आर्थिक हकीकत पर चर्चा करते हैं। क्या पूरे मानसून सदन की चिंताओं में कैग का कोई पहलू जिंदा था या हम अब उधार का घी पीने की तरकीबों के एक्सपर्ट होना चाहते हैं। हम शेखियों के बादशाह क्योंकि विकास के पथ पर यथार्थ के छेद हैं। जनता को मालूम होना चाहिए कि मुफ्तखोरी में पलते अरमान वास्तविकताओं से परे हैं। क्या दो लाख परिवारों का चयन अगर मुफ्त की 300 यूनिट बिजली या महिलाओं का पंद्रह सौ रुपए प्रति माह का प्रबंध करके स्थिति बदल देगा। हमें बड़े राज्यों के खरे उदाहरण देखने चाहिएं। अगर महाराष्ट्र जैसा राज्य सबसिडी बढ़ा भी दे तो वहां राजस्व प्राप्तियों के स्रोत क्षमतावान हैं तथा जनता भी कर अदायगी में श्रेष्ठ योगदान कर रही है। ऐसे में अगर सियासी खेल मुफ्तखोरी को और प्रोत्साहित करता है, तो सारी बजटीय व्यवस्था उजड़ जाएगी। अगर राज्य का खर्च चलाने के लिए 2024-25 के दौरान 26622 करोड़ का ऋण लेना पड़ा तो इसमें से 18169 करोड़ लोन चुकाने में ही चले गए। यह उधार की सुरंग है, इसलिए न प्रवेश का रास्ता सुरक्षित और न ही बाहर निकलने के लिए कोई रास्ता। आश्चर्य यह भी कि सरकारी उपक्रमों में घाटे का जाप कर रहे चौदह के हिस्से में 4985 करोड़ का घाटा सूली पर टंगा है। कैग अपनी रिपोर्ट में आर्थिक खामियों के कई लबादे उतारते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की कार्यसंस्कृति पर भी प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। राजस्व के नुकसान में खुला खेल फरुखावादी बना हुआ है, तो व्यवस्था बदलनी पड़ेगी। यह कार्य राजनीतिक हितों से हटकर प्रदेश के अस्तित्व का महत्त्वपूर्ण अंग है। बेशक वर्तमान सरकार का उद्घोष अकसर व्यवस्था परिवर्तन की बात करता है, लेकिन सियासी मंचों की शेखियां, जमीन की व्यथा नहीं सुन पातीं। अगर निकम्मे, अनावश्यक या औपचारिक कार्यालय एवं संस्थान बंद न किए, तो अपव्यय के सारे तंबू एक दिन बुरी तरह ढह जाएंगे। सरकार को अपना आकार घटाने के अलावा तमाम फिजूलखर्ची बंद करनी होगी। आज भी हिमाचल के सार्वजनिक क्षेत्र की वंदना में बजट का दिवाला निकल रहा है, तो निजी क्षेत्र को अंगीकार करते हुए इसके माध्यम से पूंजी निवेश का स्पेस खोलना चाहिए। बेशक राजनीति के लिए ऐसे उपाय करना आसान नहीं, लेकिन प्रदेश के हालात न सुधरे तो आगे का सफर और मुश्किल व कांटों भरा होगा। राजनीतिक मंचों पर हो रहा प्रदर्शन, विरोध तथा जनता को आकर्षित करने का दाम महंगा और प्रदेश की आर्थिकी का विरोधी साबित हो रहा है, तो क्या हम इस यथार्थ को कभी स्वीकार करेंगे। कैग रिपोर्ट के परिप्रेक्ष्य में केवल सत्ता नहीं, विपक्ष को भी अपना आर्थिक पक्ष सामने रखना होगा।

आश्चर्य यह कि राजस्व का 86 प्रतिशत हिस्सा पेंशन, वेतन, सबसिडी और कर्ज चुकाने में जा रहा है। इस तरह मात्र चौदह प्रतिशत खर्च से हमें प्रदेश के सपने, विकास तथा आगे बढ़ने के उपाय करने हैं। जाहिर है यहां आत्मनिर्भरता के सारे नारे और बुलंद हिमाचल की तस्वीर पर छींटाकशी हो रही है। क्या हम आर्थिक हकीकत पर चर्चा करते हैं। क्या पूरे मानसून सदन की चिंताओं में कैग का कोई पहलू जिंदा था या हम अब उधार का घी पीने की तरकीबों के एक्सपर्ट होना चाहते हैं। हम शेखियों के बादशाह क्योंकि विकास के पथ पर यथार्थ के छेद हैं। जनता को मालूम होना चाहिए कि मुफ्तखोरी में पलते अरमान वास्तविकताओं से परे हैं। क्या दो लाख परिवारों का चयन अगर मुफ्त की 300 यूनिट बिजली या महिलाओं का पंद्रह सौ रुपए प्रति माह का प्रबंध करके स्थिति बदल देगा। हमें बड़े राज्यों के खरे उदाहरण देखने चाहिएं। अगर महाराष्ट्र जैसा राज्य सबसिडी बढ़ा भी दे तो वहां राजस्व प्राप्तियों के स्रोत क्षमतावान हैं तथा जनता भी कर अदायगी में श्रेष्ठ योगदान कर रही है। ऐसे में अगर सियासी खेल मुफ्तखोरी को और प्रोत्साहित करता है, तो सारी बजटीय व्यवस्था उजड़ जाएगी। अगर राज्य का खर्च चलाने के लिए 2024-25 के दौरान 26622 करोड़ का ऋण लेना पड़ा तो इसमें से 18169 करोड़ लोन चुकाने में ही चले गए। यह उधार की सुरंग है, इसलिए न प्रवेश का रास्ता सुरक्षित और न ही बाहर निकलने के लिए कोई रास्ता। आश्चर्य यह भी कि सरकारी उपक्रमों में घाटे का जाप कर रहे चौदह के हिस्से में 4985 करोड़ का घाटा सूली पर टंगा है। कैग अपनी रिपोर्ट में आर्थिक खामियों के कई लबादे उतारते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की कार्यसंस्कृति पर भी प्रश्नचिन्ह लगा रहा है। राजस्व के नुकसान में खुला खेल फरुखावादी बना हुआ है, तो व्यवस्था बदलनी पड़ेगी।

किसी भी दबाव की रणनीति से नहीं झुकेगा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट : मुख्य न्यायाधीश

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा ने सोमवार को कहा कि अदालत किसी भी तरह की दबाव बनाने वाली रणनीति से प्रभावित नहीं होगी और संविधान के प्रति ली गई शपथ की रक्षा करेगी। उन्होंने यह टिप्पणी पंजाब सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित महंगाई भत्ते तथा महंगाई राहत से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान की। जस्टिस मिश्रा ने सोमवार को मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली। इसके बाद वह जस्टिस रोहित कपूर के साथ खंडपीठ में बैठे। सुनवाई के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत न तो याचिकाकर्ताओं और न ही सरकार के पक्ष से प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि न्यायिक संस्था कानून के शासन के अनुसार कार्य करेगी और किसी भी दबाव की रणनीति के आगे नहीं झुकेगी। अगस्त में उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पंजाब सरकार को कर्मचारियों और पेंशनरों की लंबित डीए/डीआर किस्तें 31 अगस्त तक जारी करने का निर्देश दिया था। अदालत ने बकाया भुगतान होने तक बड़े पैमाने पर विज्ञापन जैसे अनुत्पादक खर्चों से बचने को भी कहा था। पंजाब सरकार ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सोमवार को इसी आदेश से जुड़ी दो अर्जियां सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थीं। एक आवेदक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता चेतन मित्तल ने कहा कि सरकार ने आदेश के मुताबिक अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय कौशल ने भी सुप्रीम कोर्ट में दायर अपील और उसके प्रक्रियागत दोषों का मुद्दा उठाया। उन्होंने राज्य सरकार के विज्ञापन खर्च और रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं को जारी राशि का भी उल्लेख किया। ये दलीलें आवेदकों की ओर से रखी गई थीं। पंजाब सरकार के वकील ने इन दलीलों पर आपत्ति जताई। खंडपीठ ने कहा कि उसने मामले की फाइल का पूरा अध्ययन नहीं किया है, इसलिए विस्तृत सुनवाई गुरुवार को की जाएगी। अदालत ने दोहराया कि वह दोनों पक्षों को सुनकर कानून के अनुसार ही फैसला करेगी। जस्टिस मिश्रा की नियुक्ति को लेकर पंजाब कैबिनेट ने रविवार को प्रस्ताव पारित कर राज्य सरकार की राय लिए जाने तक नियुक्ति और शपथ रोकने की मांग की थी। हालांकि, सोमवार को पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने उन्हें मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री भगवंत मान समारोह में शामिल नहीं हुए।

जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा ने संभाला पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पद

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार के विरोध के बावजूद जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा ने सोमवार सुबह पंजाब लोक भवन में आयोजित समारोह में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के 37वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जस्टिस मिश्रा से पहले जस्टिस शील नागू पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे। जून 2026 में उन्हें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। पंजाब सरकार ने जस्टिस मिश्रा की नियुक्ति का रविवार को विरोध किया था। राज्य सरकार ने आपात बैठक बुलाकर नियुक्ति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। सरकार का कहना था कि नियुक्ति के समय पंजाब सरकार की राय नहीं ली गई और निर्धारित एसओपी का उल्लंघन हुआ है। सरकार ने इसी आधार पर शपथ ग्रहण रोकने की मांग की थी। पूर्व घोषणा के अनुसार पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और राज्य सरकार के अन्य मंत्रियों ने शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा नहीं लिया। खुफिया एजेंसियों ने समारोह के दौरान विरोध की आशंका को लेकर इनपुट दिया था। इसके मद्देनजर चंडीगढ़ पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए कई मार्गों को सील कर यातायात डायवर्ट किया। पंजाब लोक भवन की ओर जाने वाले वाहनों की गहन जांच की गई। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष मौजूद रहे। पंजाब के मुख्यमंत्री के लिए मंच पर निर्धारित कुर्सी खाली रही। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा समेत कई अधिकारी भी समारोह में उपस्थित रहे।

हवामहल में भाजपा का डैमेज कंट्रोल सफल नाराज कार्यकर्ता फिर जुटे चुनावी मैदान में

जयपुर (हिंस)। हवामहल विधानसभा क्षेत्र में दो वार्डों को मिलाकर एक वार्ड बनाए जाने के बाद टिकट को लेकर सामने आई नाराजगी को भाजपा ने दूर करने का दावा किया है। भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने कहा कि नाराज और बागी कार्यकर्ताओं व उनके समर्थकों से बातचीत कर उन्हें मना लिया गया है। अब संगठन एकजुट होकर पार्टी प्रत्याशी की जीत के लिए चुनाव मैदान में जुट गया है। प्रवीण ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण हैं और पार्टी हर चुनाव को गंभीरता से लड़ती है। चुनाव अभियान में संगठन के सभी स्तरों के कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका दी गई है। हवामहल के प्रमुख चुनावी मुद्दों पर उन्होंने पलायन, अतिक्रमण और हेरिटेज संरक्षण को प्रमुखता दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पलायन की समस्या को लेकर सरकार गंभीर है और विधायक बालमुकुंद आचार्य सहित राज्य सरकार कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। परकोटे के यूनेस्को हेरिटेज दर्जे को जयपुर की ऐतिहासिक पहचान बताते हुए उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने के साथ शहर की संस्कृति, स्थापत्य और हेरिटेज स्वरूप सुरक्षित रखा जाएगा। दूसरे राज्यों से नेताओं और कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रचार में बुलाने के विपक्ष के आरोपों पर प्रवीण ने कहा कि

यह भाजपा की कमजोरी या डर नहीं, बल्कि संगठन की मजबूत कार्यसंस्कृति और आपसी सहयोग का प्रमाण है। महाराष्ट्र के छात्र आंदोलन पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस परीक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सख्त निर्देश दे चुके हैं और कमेटी गठित की गई है। उन्होंने विपक्ष पर छात्रों के आंदोलन की आड़ में राजनीतिक जमीन मजबूत करने का आरोप लगाया। मनोज जरांगे के मराठा आरक्षण संबंधी अल्टीमेटम पर उन्होंने कहा कि सरकार समाज की अधिकांश मांगों को लेकर सकारात्मक है और संवैधानिक दायरे में समाधान का प्रयास कर रही है। दिशा सालियान मामले में सीबीआई जांच को लेकर प्रवीण ने कहा कि न्यायालय के फैसले से निष्पक्ष जांच का रास्ता खुला है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों से सच सामने आएगा।

मंगोलिया से हजारों किलोमीटर उड़कर पश्चिमी राजस्थान पहुंची कुरजां

जोधपुर (हिंस)। पश्चिमी राजस्थान में प्रवासी पक्षियों के आगमन का सिलसिला शुरू हो गया है। लंबी दूरी तय करने वाली कुरजां (डेमोइसेल क्रेन) ने इस बार जैसलमेर जिले के पोकरण क्षेत्र के खेतोलाई तालाब पर दस्तक दी है। इसके बाद से कुरजां लगातार इलाके में नजर आ रही हैं। प्रवासी पक्षियों के पहुंचने से पक्षी प्रेमियों और स्थानीय लोगों में उत्साह है। कुरजां हर साल मध्य एशिया और मंगोलिया के ठंडे इलाकों से हजारों किलोमीटर की यात्रा कर राजस्थान पहुंचती हैं। इस दौरान ये पक्षी कई देशों और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक क्षेत्रों को पार करते हैं। अलग-अलग समूहों के प्रवास मार्ग और राजस्थान पहुंचने का समय भी अलग हो सकता है। पोकरण-जैसलमेर क्षेत्र में सितंबर की शुरुआत के साथ ही कुरजां के आने का क्रम शुरू हो जाता है। खेतोलाई तालाब पर गत दो सितंबर को पहली कुरजां नजर आने के बाद अब आने वाले दिनों में इनके और झुंड पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। राजस्थान पहुंचने के बाद कुरजां दिन के समय भोजन की तलाश में खेतों और खुले इलाकों में विचरण करती हैं। शाम होने पर ये तालाबों और अन्य जलाशयों के आसपास सुरक्षित स्थानों पर लौट आती हैं। सफेद-धूसर रंग का शरीर, लंबी गर्दन और समूह में उडने् का इनका खास अंदाज लोगों को आकर्षित करता है। खेतोलाई तालाब पर कुरजां की लगातार मौजूदगी से क्षेत्र में प्रवासी पक्षियों का मौसम शुरू होने के संकेत मिल रहे हैं। आने वाले हफ्तों में पश्चिमी राजस्थान के तालाबों और जलाशयों के आसपास कुरजां के बड़े झुंड दिखाई देने की संभावना है।

निकाय चुनाव : प्रचार के आखिरी दिन जीत के लिए प्रत्याशियों ने लगाया पूरा जोर

जयपुर (हिंस)। नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में सोमवार शाम छह बजे चुनाव प्रचार थम गया। प्रचार के अंतिम दिन भाजपा, कांग्रेस सहित अन्य दलों के प्रत्याशियों और नेताओं ने रैलियों, सभाओं और जनसंपर्क के जरिए पूरी ताकत झोंकी। अब सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, लाउडस्पीकर और सामूहिक प्रचार पर रोक रहेगी। प्रत्याशी सीमित समर्थकों के साथ घर-घर जाकर व्यक्तिगत संपर्क कर मतदान की अपील कर सकेंगे। आयोग की गाइडलाइन के अनुसार मतदान से 48 घंटे पहले बाहरी राजनीतिक नेताओं और ऐसे कार्यकर्ताओं के क्षेत्र में रहने पर भी रोक प्रभावी हो जाती है, जो संबंधित क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं और प्रचार के लिए आए हैं। ऐसे लोगों को क्षेत्र छोड़ना होगा। प्रशासन और पुलिस उनकी आवाजाही पर निगरानी रखेंगे। नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जा सकेगी। जयपुर जिले के 18 निकायों में बुधवार 9 सितंबर को पहले चरण का मतदान होगा। इनमें नगर परिषद चौमूं व शाहपुरा तथा नगर पालिका दूदू, किशनगढ़-रेनवाल, जोबनेर, बस्सी, सांभरलेक, वाटिका, चाकसू, जमवारामगढ़, फागी, नारायणा, फुलेरा, मनोहरपुर, बगरू, कानोता, खेजरोली और कालाडेरा शामिल हैं। मतदान की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। ईवीएम की कमीशनिंग सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक की निगरानी में पूरी कर ली गई। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, ईवीएम और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। वहीं 18 निकायों के लिए मतदान दल मंगलवार 8 सितंबर को सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर से रवाना होंगे। पोलिंग पार्टियों को सुबह 11 बजे रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। दो चरणों में रवानगी के बाद दल ईवीएम और चुनाव सामग्री के साथ निर्धारित मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं संभालेंगे। मतदान समाप्त होने के बाद पोलिंग पार्टियों को ईवीएम जमा कराने के लिए भवानी निकेतन वापस नहीं आना होगा। वे सीधे निर्धारित मतदान एवं मतगणना केंद्रों पर ईवीएम जमा कराएंगे। साथ ही 9 सितंबर को मतदान वाले निकाय क्षेत्रों में राज्य सरकार की ओर से स्थानीय स्तर पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। वहीं सोमवार शाम छह बजे से 9 सितंबर शाम छह बजे तक संबंधित क्षेत्रों में सूखा दिवस रहेगा और शराब की बिक्री पर रोक होगी। इधर मतदान के लिए निर्वाचन फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। इसके अभाव में मतदाता आधार कार्ड, वीबी-जी राम जी मनरेगा कार्ड, बैंक/डाकघर की फोटोयुक्त पासबुक, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड/आयुष्मान भारत हेल्थ कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनी का फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसद या विधायक का सरकारी पहचान पत्र तथा यूडीआईडी कार्ड में से किसी एक का मूल दस्तावेज प्रस्तुत कर सकेंगे। इनमें वही दस्तावेज मान्य होंगे, जो संबंधित निर्वाचन की लोक सूचना जारी होने की तिथि से पहले जारी किए गए हों। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने मतदाताओं से मतदान के समय पहचान संबंधी मूल दस्तावेज साथ लाने की अपील की है, ताकि मतदान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

मतदान से पहले कांग्रेस का कड़ा एक्शन

25 बागी 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित

जोधपुर (हिंस)। नगर निगम चुनाव 2026 में मतदान से पहले कांग्रेस ने पार्टी अनुशासन को लेकर बड़ा कदम उठाया है। जोधपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतरने और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने वाले 25 कार्यकर्ताओं को छह साल के लिए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद संबंधित कार्यकर्ताओं के पार्टी में सभी पद और दायित्व भी तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिए गए हैं। निष्कासित होने वालों में कई पदाधिकारी और पूर्व पार्षद भी शामिल हैं। पार्टी ने इन नेताओं पर निगम चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के विरोध में काम करने और पार्टी अनुशासन तोडने् का आरोप लगाया है। पार्टी के जिला संगठन महामंत्री कुश गहलोत ने बताया कि निगम चुनाव में पार्टी के संविधान, नीतियों और अनुशासन के विपरीत कार्य करने वाले 25 लोगों को पार्टी के सभी पदों से मुक्त करते हुए निष्कासित किया गया है। इन कार्यकर्ताओं ने नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने अथवा पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त रहकर काम किया। इसे कांग्रेस के संविधान, नीतियों और अनुशासन के विपरीत माना गया है। कांग्रेस की इस कार्रवाई को चुनाव से पहले पार्टी संगठन में अनुशासन बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लडऩा या पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होना गंभीर अनुशासनहीनता है। निष्कासन आदेश की प्रतिलिपि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष को भी सूचनार्थ भेजी गई है। गहलोत ने बताया कि कांग्रेस ने जिन 25 लोगों को निष्कासित किया है, उनमें पार्टी के कई पदाधिकारी भी शामिल हैं। इसके साथ कुछ पूर्व पार्षदों को भी निकाला गया है।

संविधान-कानून की भावना से नहीं चल रही भाजपा सरकार : अखिलेश यादव

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर संविधान और कानून की भावना के अनुरूप काम नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संविधान और कानून का पालन सभी के लिए जरूरी है। जो लोग आज कानून नहीं मान रहे हैं, उन्हें कल कानून मानना ही पड़ेगा। अखिलेश यादव राजधानी लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने भाजपा पर एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए कहा कि तकनीक का उपयोग समाज और किसानों की बेहतरी के लिए होना चाहिए। उन्होंने कहा कि *खेत मुस्कराएगा तो देश मुस्कराएगा, जो समाज में लाए अच्छाई वो है एआई।* भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि अगर वहां से गाना बनेगा तो यहां से भी गाना बनेगा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज के लोग लगातार पार्टी से जुड़ रहे हैं। सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले बड़ी संख्या में लोग सपा के साथ हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने पर सम्राट अशोक जयंती पर अवकाश घोषित किया जाएगा। साथ ही लखनऊ के रिवरफ्रंट पर बाबू जगदेव कुशवाहा का स्मारक बनाने का काम किया जाएगा। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर प्रदेश के माहौल को सांप्रदायिक दिशा में ले जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के माध्यम से पूरे प्रदेश को *कम्युनल रास्ते* पर ले जाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता इस बार ऐसे लोगों का इलाज करने जा रही है। भाजपा सरकार पर गरीबों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि आज गरीबों को इलाज नहीं मिल पा रहा है और प्राथमिक विद्यालय बंद किए जा रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि एक प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र वाराणसी और मुख्यमंत्री का मुख्य क्षेत्र गोरखपुर है लेकिन दोनों जगह नाव चल रही है। उन्होंने कहा कि कोई स्पेन बनाने की बात कर रहा है तो कोई क्योटो बनाने की। अखिलेश ने कहा कि भाजपा *स्क्रिप्टेड काम* करती है और जनता सब देख रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हम जातीय जनगणना की भी मांग करते हैं। आबादी के हिसाब से हक और सम्मान मिले। आरक्षण था, आरक्षण है और आरक्षण रहेगा। हम पीडीए का राज लाकर सामाजिक न्याय की स्थापना करेंगे। अखिलेश ने कहा कि मैं भाजपाइयों से कहूंगा कि मां गंगा बुलाएं तो गंगा एक्सप्रेसवे से मत जाना। इस दौरान अखिलेश यादव ने समाजवादी छात्रसभा की नई ड्रेस भी निर्धारित की। अब छात्रसभा के सदस्य नीली शर्ट और नीली पैंट पहनेंगे। पार्टी की ओर से इसे छात्रसभा के सदस्यों की नई पहचान के रूप में लागू किया जाएगा। अखिलेश ने कहा कि संगठन को मजबूत करने में छात्र और युवा कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। छात्रसभा के कार्यकर्ताओं को पार्टी की गतिविधियों के साथ ही जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर भी सक्रिय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं और छात्रों की भागीदारी से सामाजिक न्याय की लड़ाई को और मजबूत किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के बागपत सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 8 हुई, 24 घायलों का इलाज जारी

बागपत (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत के थाना खेकड़ा क्षेत्र में रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर आठ पहुंच गई है। बागपत पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर ने बागपत पहुंचकर घायलों का हाल जाना। उन्होंने बताया कि सभी घायलों का इलाज जारी है। रविवार देर रात करीब 12-30 बजे एक वाहन डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गया। उसकी सूचना डायल 112 को मिली थी। वाहन में सवार सभी लोग राजस्थान से जनपद बदायूं की ओर जा रहे थे। सूचना मिलते ही चार पीआरवी, एम्बुलेंस सेवा, थाना खेकड़ा पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसा इतना भीषण था कि वाहन में सवार कई लोग बुरी तरह घायल हो गए। दुर्घटना में करीब 24 लोग घायल हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को तत्काल सीएचसी खेकड़ा, सीएचसी बागपत और जिला अस्पताल बागपत भेजा गया। गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो चुकी है। अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन भानु भास्कर की ओर से भी इस घटना को लेकर बयान जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि हादसे में आठ लोगों की मौत हुई है। हालांकि पुलिस ने अभी तक मृतकों के नामों की पुष्टि नहीं की है। दुर्घटना में घायलों का इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

भागलपुर में गंगा का रौद्र रूप : आशियाने बहे, अब दाने-दाने को तरस रहे बाढ़ पीड़ित

भागलपुर (हिंस)। जिले में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से बाढ़ की स्थिति अत्यंत विकराल हो चुकी है। नदी के किनारे बसे दियारा इलाकों में बाढ़ का पानी पूरी तरह फैल जाने के बाद, हजारों जिंदगियां तबाही के मुहाने पर खड़ी हैं। अपने ही घर में बेगाने हो चुके लोग भारी मन से अपना आशियाना छोड़कर सुरक्षित और ऊंचे स्थानों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। नाथनगर प्रखंड के रतीपुर, बैरिया शंकरपुर, अजमेरीपुर, रसीदपुर और श्रीरामपुर समेत कई गांव पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं। इन गांवों की गलियां, जहां कभी बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, अब वहां सिर्फ और सिर्फ पानी का सन्नाटा पसरा हुआ है। गांवों में पानी घुसने के बाद बेघर हुए परिवारों ने रविंद्र भवन और टिल्हा कोठी जैसे ऊंचे सरकारी भवनों में शरण ली है। लेकिन राहत की तलाश में पहुंचे इन विस्थापितों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। विस्थापित परिवारों के सामने सिर छुपाने के बाद अब रहने, शुद्ध पीने का पानी, खाने और शौचालय जैसी बुनियादी जरूरतों का भीषण संकट खड़ा हो गया है। कई मजबूर परिवार ऐसे भी हैं जिन्हें भवनों के भीतर जगह नहीं मिली। वे सड़कों के किनारे या खुले मैदानों में तिरपाल तानकर अपना अस्थायी आशियाना बनाने में जुटे हैं। इन अस्थायी तंबुओं में भूख से बिलखते छोटे-छोटे बच्चे और बेबस माता-पिता की तस्वीरें किसी का भी दिल दहलाने के लिए काफी हैं। बाढ़ पीड़ितों की इस त्रासदी में केवल इंसान ही नहीं, बल्कि बेजुबान पशु भी पिस रहे हैं। ग्रामीण किसी तरह अपनी जान दांव पर लगाकर अपने मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर लेकर तो आए हैं, लेकिन अब उनके सामने पशु चारे का गहरा संकट खड़ा हो गया है। चारागाह पूरी तरह पानी में डूब चुके हैं, जिससे मवेशियों को भूखा रहना पड़ रहा है। लोग अपनों के साथ-साथ इन बेजुबानों की जिंदगी बचाने की दोहरी जद्दोजहद में जुटे हैं। बाढ़ की विभीषिका झेल रहे पीड़ितों का दर्द आंसुओं के रूप में छलक रहा है। एक बाढ़ पीड़ित ने रोते हुए कहा, गंगा मइया ने हमारा सब कुछ छीन लिया। घर डूब गया, अनाज बह गया। अब बच्चों को क्या खिलाएं और खुद कहां जाएं, कुछ समझ नहीं आ रहा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस भीषण आपदा के बावजूद अब तक उन्हें कोई पर्याप्त सरकारी सहायता नहीं मिली है। राहत सामग्री और कम्युनिटी किचन जैसी सुविधाएं अभी भी प्रभावितों की पहुंच से दूर हैं, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। जैसे-जैसे गंगा का पानी नए इलाकों को अपनी चपेट में ले रहा है, जिला प्रशासन के सामने चुनौतियां पहाड़ जैसी होती जा रही हैं। हजारों की आबादी तक तुरंत सूखा राशन, साफ पानी, चिकित्सा सुविधा और पशु चारा पहुंचाना इस समय सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। देखना यह है कि प्रशासन कागजी दावों से निकलकर जमीनी स्तर पर इन बेबस लोगों के आंसू कब तक पोंछ पाता है।

महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस को लेकर एसडीएम ने मुस्लिम समाज के लोगों के साथ की बैठक

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज में 13 सितंबर को श्री सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से निकलने वाले ऐतिहासिक महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस को लेकर आपसी सौहार्द्र बनाए रखने को लेकर सोमवार को दरभंगिया टोला स्थित मदरसा में अनुमंडल पदाधिकारी अभय कुमार तिवारी ने मुस्लिम समाज के लोगों के साथ मीटिंग की। बैठक में समाज के प्रबुद्ध जन और गणमान्य लोग मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी महावीरी झंडा शोभायात्रा जुलूस शांतिपूर्ण और आपसी सौहार्द्र के साथ निकाला जाय को लेकर मंथन किया गया। बैठक में मुस्लिम समाज के लोगों ने पूरी तरह से सहयोग का भरोसा दिलाया। उल्लेखनीय हो कि फारबिसगंज के दरभंगिया टोला स्थित बड़ी मस्जिद से होकर जुलूस गुजरती है, जिसके कारण सामाजिक सौहार्द्र के बिगड़ने का खतरा बना रहता है और पूर्व में इस तरह की घटनाएं घटित हो चुकी है, जिसको लेकर फारबिसगंज अनुमंडल प्रशासन किसी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। बैठक में एसडीएम अभय कुमार तिवारी के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता वाहिद अंसारी, पार्षद इरशाद सिद्दीकी, शाकिर हुसैन, नूर कौसर, राजा अली, इलियास मंसूरी, इज़हार आलम, हंजाला अंसारी, महबूब आलम, ताज अहमद, राजू, सन्नी अनीश आलम सहित अन्य कई लोग मौजूद रहे।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में बदलाव होने के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी सांकेतिक कमजोरी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,54,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,56,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आया। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही जेएलआर, यूके में 4000 कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी

मुंबई। टाटा मोटर्स के मालिकाना हक वाली लग्जरी कार निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) अगले दो सालों में यूनाइटेड किंगडम में बड़े पैमाने पर छंटनी करने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य लगभग 4000 कर्मचारियों को काम से निकालना है, जिसमें मुख्य रूप से मैनेजमेंट और वेतनभोगी स्टाफ शामिल होगा। यह कदम जेएलआर की परिचालन लागत को कम करने और वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच अपने बिजनेस माडल को अधिक लचीला बनाने की रणनीति का हिस्सा है। जेएलआर ने इस छंटनी के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम शुरू किया है। कंपनी का मकसद अगले दो वर्षों में लगभग 1.7 बिलियन यूरो (लगभग 21,700 करोड़ रुपये) की बचत करना है। इस पहल के तहत जेएलआर अपने मैनेजमेंट के आकार को छोटा कर परिचालन दक्षता बढ़ाना चाहती है। कंपनी का एक और अहम लक्ष्य अपने ब्रेक-ईवन पाइंट को घटाकर सालाना 3,00,000 वाहनों पर लाना है, ताकि कम वाहन बेचकर भी मुनाफा कमाया जा सके और बाजार की अस्थिरता का सामना किया जा सके। यह छंटनी फैक्ट्रियों में प्रति घंटे के आधार पर काम करने वाले मैन्युफैक्चरिंग/असेंबली लाइन कर्मचारियों को प्रभावित नहीं करेगी। कंपनी का पूरा ध्यान मैनेजमेंट को सुव्यवस्थित और लचीला बनाने पर है, जिससे सैलरी और आफिस मेंटेनेंस जैसी निश्चित लागतों में सालाना कमी आएगी। इससे वैश्विक मंदी या अमेरिकी टैरिफ जैसे बाहरी कारकों के कारण गाड़ियों की मांग कम होने पर भी जेएलआर अपनी लागत आसानी से वसूल सकेगी। जेएलआर के लिए अमेरिका सबसे बड़ा ग्लोबल मार्केट है, जहाँ उसकी 29 फीसदी हिस्सेदारी है।

आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन के भाव में हुआ सुधार, बिनौला तेल टूटा, सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव बने रहे स्थिर

नई दिल्ली। बाजार में सोयाबीन की आवक घटने और त्योहारी मांग बढ़ने से बीते सप्ताह सोयाबीन तिलहन के भाव में हल्का सुधार दर्ज किया गया। औद्योगिक मांग बढ़ने और अन्य खाद्य तेलों की तुलना में सस्ता होने के कारण कच्चे पाम तेल और पामोलीन की कीमतों में भी तेजी रही। दूसरी ओर आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली किए जाने से सोयाबीन तेल के भाव दबाव में रहे जबकि ऊंची कीमतों पर मांग कमजोर पड़ने से बिनौला तेल भी टूट गया। सुस्त कारोबार के बीच सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव स्थिर बने रहे। सूत्रों के मुताबिक सप्ताहांत में मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जबकि दैनिक मांग करीब 2.5 से 3 लाख बोरी है। आवक कम होने और त्योहारी मांग के कारण सोयाबीन तिलहन में मामूली मजबूती आई। सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव 25-25 रुपए बढ़कर क्रमशः 6,700-6,750 रुपए और 6,550-6,650 रुपए प्रति क्विंटल हो गया। वहीं, आयातकों की लागत से नीचे बिक्री का असर सोयाबीन तेल पर पड़ा। सूत्रों के मुताबिक सोयाबीन डीगम के आयात की लागत करीब 125 रुपए प्रति किलो बैठती है, जबकि आयातक इसे करीब 118.50 रुपए प्रति किलो में बेच रहे हैं। इस वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपए घटकर 15,600 रुपए प्रति क्विंटल रह गया।

मारुति हर महीने 16,000 से ज्यादा बेचती है बलेनो, अब बनाई नई योजना, कंपनी ने इस सप्ताह करीब 6.1 लाख से शुरू होने वाली नई बलेनो करेगी लान्च

नई दिल्ली। मारुति सुजूकी इंडिया प्रीमियम हैचबैक की अहमियत बरकरार रहने पर दांव लगा रही है। हालांकि यात्री वाहन बाजार में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) का दबदबा बढ़ रहा है। यह ऐसे समय हो रहा है, जब चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने में प्रीमियम हैचबैक श्रेणी ने समूचे उद्योग की तुलना में तेज इजाफा दर्ज किया है। मारुति सुजूकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि फिलहाल प्रीमियम हैचबैक उद्योग का स्तर हर महीने करीब 50,000 वाहन होने का अनुमान है और इस श्रेणी में मारुति सुजूकी की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है।

एआई व टेक बूम से 2025 में अरबपतियों की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

अल्ट्राटा की रिपोर्ट: वैश्विक स्तर पर अरबपतियों की संख्या 3,795 और संपत्ति 15.1 ट्रिलियन डॉलर हुई

नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और टेक्नोलाजी क्षेत्र में आई अभूतपूर्व तेजी के दम पर वर्ष 2025 में दुनिया भर में अरबपतियों की संख्या रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। वेल्थ इंटेलिजेंस फर्म अल्ट्राटा की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, अरबपतियों की संख्या 8.2 फीसदी बढ़कर 3,795 हो गई, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है। इस दौरान उनकी कुल संपत्ति भी 12.8 फीसदी बढ़कर 15.1 ट्रिलियन डालर तक पहुंच गई, जो वैश्विक अमीरों पर तकनीक और एआई के बढ़ते प्रभुत्व को दर्शाता है। अल्ट्राटा की रिपोर्ट बताती है कि 2025 में अरबपतियों की संख्या में इस वृद्धि का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में आई तेजी और टेक्नोलाजी शेयरों में मजबूत प्रदर्शन रहा। एआई बूम ने अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रिपोर्ट के मुताबिक, जिन कंपनियों ने एआई में कम से कम 3 करोड़ डालर का निवेश किया, उनके बाजार पूंजीकरण में 2024 से 2025 के बीच उन कंपनियों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक वृद्धि देखी गई जिन्होंने ऐसा निवेश नहीं किया था। यह रिपोर्ट अल्ट्रा-रिच लोगों के बीच संपत्ति के तेजी से बढ़ते केंद्रीकरण पर भी प्रकाश डालती है। अल्ट्राटा ने 50 अरब डालर से अधिक की संपत्ति वाले 29 व्यक्तियों को सुपर अरबपति के रूप में वर्गीकृत किया है, जिनकी कुल संपत्ति 4.1 ट्रिलियन डालर है। यह दुनियाभर के अरबपतियों की कुल संपत्ति का लगभग 27 प्रतिशत है, जबकि 2017 में यह आंकड़ा केवल 7.2 प्रतिशत था। हालांकि, रिपोर्ट ने चेतावनी दी कि टेक्नोलाजी और एआई सेक्टर में संपत्ति का यह बढ़ता केंद्रीकरण बाजार में उतार-चढ़ाव के जोखिम को बढ़ा सकता है।

भौगोलिक रूप से, उत्तरी अमेरिका 1,337 अरबपतियों के साथ सबसे आगे रहा, जिसमें 11.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसका श्रेय अमेरिका की निजी और सूचीबद्ध दोनों तरह के टेक्नोलाजी बाजारों में मजबूत स्थिति को जाता है।

भारतीय बाजार में होंडा की लान्च होंगी 5 नई एसयूवी

नई दिल्ली। भारतीय एसयूवी बाजार में होंडा ग्राहकों की बढ़ती मांग को भुनाने के लिए एक बड़ा दांव लगाने की तैयारी में है। होंडा ने आने वाले सालों में 5 नई एसयूवी माडल लान्च करने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। यह कदम होंडा की भारतीय आटोमोबाइल सेगमेंट में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, खासकर तेजी से लोकप्रिय हो रहे एसयूवी सेगमेंट में। इस लान्च सूची में सबसे पहले, होंडा की लोकप्रिय एसयूवी होंडा एलिवेट का फेसलिफ्ट वर्जन अक्टूबर 2026 में फेस्टिव सीजन के आसपास आने की उम्मीद है। इसमें नए बंपर, रीडिजाइन्ड स्किड प्लेट्स, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और 360-डिग्री कैमरा जैसे अतिरिक्त फीचर्स मिल सकते हैं। इसके बाद, 2027 की शुरुआत में, होंडा की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी, होंडा 0 अल्फा का प्रोडक्शन वर्जन लान्च होगा। इसे एक बिल्कुल नए प्लेटफार्म पर तैयार किया जाएगा और इसमें 65 किलोवाट घंटा और 75 किलोवाट घंटा के एलएफपी बैटरी पैक के साथ लगभग 450-500 किमी की रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की उम्मीद है, जो इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में होंडा के प्रवेश का प्रतीक होगा। 2028 तक, होंडा हुंडई क्रेटा जैसी माडल्स को कड़ी टक्कर देने के लिए एक नई मिड-साइज एसयूवी भी लाएगी, जिसे पेट्रोल, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक तीनों पावरट्रेन विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, 2027 के अंत में सीआर-वी हाइब्रिड की वापसी भी संभव है, जिसे सीबीयू (कम्पलीटली बिल्ट यूनिट) के तौर पर सीमित संख्या में लाया जा सकता है, जो प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी पहचान बनाएगी। अंत में, होंडा 2028 में सब-4 मीटर एसयूवी सेगमेंट में भी वापसी करेगी।

लोकप्रिय थार के 3-डोर संस्करण को नए रूप में पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली

कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा अपनी लोकप्रिय थार के 3-डोर संस्करण को एक व्यापक नए रूप में पेश करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में इसके परीक्षण माडल को सड़कों पर देखा गया, जिससे आगामी थार 3-डोर फेसलिफ्ट में होने वाले बड़े बाहरी डिजाइन और फीचर बदलावों का खुलासा हुआ है।

अक्टूबर 2025 में हुए छोटे अपडेट्स के विपरीत, यह नया संस्करण कहीं अधिक व्यापक बदलावों के साथ आएगा, हालाँकि कंपनी ने अभी इसकी निश्चित लान्च तारीख की घोषणा नहीं की है। मौजूदा थार की कीमत 10.32 लाख रुपये से 18 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है, और नया संस्करण थोड़ी अधिक कीमत पर आ सकता है। परीक्षण के दौरान देखी गई थार 3-डोर फेसलिफ्ट के अगले हिस्से में सबसे बड़ा बदलाव इसकी ग्रिल में दिखाई दिया है। अलग-अलग परीक्षण माडलों में पांच-स्लाट और महिंद्रा थार राक्स जैसी छह-स्लाट ग्रिल देखी गई हैं, जो यह संकेत देती हैं कि महिंद्रा इसे विभिन्न संस्करणों में पेश कर सकती है, जहाँ प्रत्येक संस्करण में अलग डिजाइन की ग्रिल होगी। इस नई ग्रिल के दाहिने हिस्से में एक छोटा उभार भी देखा गया है, जिसे किसी विशिष्ट पहचान चिह्न के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। ग्रिल के अलावा, नए पांच-स्पोक मिश्रधातु पहिए भी देखे गए हैं, जो थार को अधिक आधुनिक लुक देंगे। इंजन में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसमें 1.5 लीटर डीजल (लगभग 119 हार्सपावर), 2.2 लीटर डीजल (लगभग 132 हार्सपावर) और 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल (लगभग 152 हार्सपावर) इंजन विकल्प जारी रह सकते हैं। सभी इंजन छह-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स के साथ आएंगे, जबकि बड़े डीजल और पेट्रोल इंजन में छह-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स का विकल्प भी होगा। चार-पहिया ड्राइव इन्हीं दोनों बड़े इंजनों के साथ जारी रहने की उम्मीद है, वहीं 1.5 लीटर डीजल केवल दो-पहिया चालित व्यवस्था में उपलब्ध होगा। एक महत्वपूर्ण बदलाव मौजूदा हाइड्रोलिक पावर स्टीयरिंग की जगह इलेक्ट्रिक पावर स्टीयरिंग का शामिल होना हो सकता है, जिससे ड्राइविंग और कम गति पर गाड़ी मोड़ना आसान हो जाएगा।

घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नही आया है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम पुराने स्तर पर ही स्थिर बने हुए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को फिलहाल थोड़ी राहत मिली है। तेल कंपनियों ने आज भी कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। गौरतलब है कि तेल की कीमतें कई वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करती है। इनमें सबसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड आयल) की कीमतें हैं। जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो तेल कंपनियों की खरीद लागत बढ़ जाती है, जिसका सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर पड़ता है। इसी तरह, भारतीय रुपया और अमेरिकी डालर के बीच की विनिमय दर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि रुपया डालर के मुकाबले कमजोर होता है, तो कच्चे तेल का आयात महंगा हो जाता है, भले ही डालर में उसकी कीमत स्थिर रहे। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए विभिन्न टैक्स (जैसे उत्पाद शुल्क और वैट), डीलर कमीशन और अन्य परिचालन लागतें भी अंतिम उपभोक्ता मूल्य का एक बड़ा हिस्सा होती हैं।

कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी, 97 डालर के पार पहुंची ब्रेंट क्रूड की कीमत

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में भी लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण ब्रेंट क्रूड 97 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 92 डालर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 96.90 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। हालांकि ट्रेडिंग शुरू होते ही ये फिसल कर 96.34 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन थोड़ी देर बाद इसकी चाल में तेजी गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 9:30 बजे तक ब्रेंट क्रूड 97 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 97.43 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। सुबह 9:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 97.38 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 0.71 डालर प्रति बैरल उछल कर 92.19 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ओपनिंग के तुरंत बाद ये गिर कर थोड़ी देर के लिए 91.70 डालर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कुछ देर में ही यह उछल कर 92.57 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार सुबह 9:45 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.11 प्रतिशत की उछाल के साथ 92.50 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी भारत जैसे आयल इंपोर्टर देश के लिए अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर परेशानी का बड़ी वजह बन सकती है। कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत के लंबे समय तक 80 डालर या उससे ऊपर के स्तर पर बने रहने से भारत के करंट अकाउंट डेफिसिट में बढ़ोतरी हो सकती है। इसके साथ ही इसकी वजह से फिस्कल डेफिसिट टारगेट भी हिट हो सकता है।

उनका कहना है कि कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत भारतीय मुद्रा को कमजोर कर सकती है, महंगाई को बढ़ा सकती है और फारेन कैपिटल आउटफ्लो (विदेशी पूंजी की निकासी) को और बढ़ा सकती है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिका में ब्याज दर में बढ़ोतरी होने की आशंका की वजह से पिछले सत्र के दौरान निगेटिव सेंटीमेंट्स का दबाव बना रहा, जिसके कारण वाल स्ट्रीट के सूचकांक कमजोरी के साथ बंद हुए। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 272.51 अंक यानी 0.51 प्रतिशत लुढ़क कर 53,413.60 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत टूट कर 7,718.60 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 26,506.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 193.53 अंक यानी 0.36 प्रतिशत फिसल कर 53,220.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। सीएसी इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,278.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत डीएएक्स इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत उछल कर 26,046.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं लंदन स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान एफटीएसई इंडेक्स में कोई हलचल नहीं हुई।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 115.50 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,894.50 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत फिसल कर 3,920.70 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 269.87 अंक यानी 1.05 प्रतिशत लुढ़क कर 25,381 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.10 प्रतिशत टूट कर 5,796.21 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 1,254.06 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ 66,275 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 681.66 अंक यानी 1.46 प्रतिशत उछल कर 47,232.79 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 225.97 अंक यानी 3.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,913.18 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

ग्रीम स्मिथ सहित इन खिलाड़ियों के नाम है सबसे लंबे समय तक कप्तानी का रिकार्ड

जोहांसबर्ग

आजकल टी20 क्रिकेट का जोर है और दुनिया भर में टी20 लीग चल रही है। इसके बाद भी टेस्ट क्रिकेट का महत्व बना हुआ है। इसका कारण ये है कि इसी प्रारुप में किसी खिलाड़ी की प्रतिभा और कौशल की असली परीक्षा होती है और खेल का असली रोमांच मिलता है। टेस्ट क्रिकेट में इस दौरान कई अनोखे रिकार्ड भी बने हैं। ऐसा ही एक रिकार्ड दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज ग्रीम स्मिथ के नाम है। स्मिथ ने 2003 से 2014 के बीच रिकार्ड 109 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की थी। सबसे लंबे समय तक कप्तानी का रिकार्ड है। पिछले 12 साल मे कोई भी इसे नहीं तोड़ पाया है। इस दौरान स्मिथ की टीम को 29 टेस्ट मैचों में हार का भी सामना करना पड़ा उन्होंने जिस प्रकार से एक युवा और बिखरी हुई टीम को विश्व की सबसे मजबूत टेस्ट टीमों में से एक बनाया , उसके लिए उन्हें याद किया जाता है। कप्तान के तौर पर भले ही उन्होंने शतक न जमाया हो, लेकिन उनकी कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका ने नई उपलब्धियां हासिल की।

स्मिथ के बाद सबसे अधिक समय तक कप्तानी करने वलो बल्लेबाजों में न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग इस दूसरे स्थान पर हैं। कीवी टीम के सबसे सफल कप्तान फ्लेमिंग ने साल 1997 से 2006 के बीच कप्तानी संभाली और इस दौरान उनकी टीम 27 टेस्ट मैच ही हारी। फ्लेमिंग ने अपनी कप्तानी में न्यूजीलैंड को आगे बढ़ाया। उन्होंने कप्तान के रूप में 117 रनों की एक शतकीय पारी सहित 1589 रन बनाए।

वहीं इंग्लैंड के वर्तमान कप्तान जो रूट ने साल 2017 से 2022 तक टेस्ट कप्तानी की थी। वह सबसे अधिक समय तक कप्तानी करने वाले तीसरे कप्तान हैं।जब इंग्लैंड की टीम बदलाव के दौर से गुजर रही थी, तब रूट ने अकेले दम पर बल्लेबाजी का भार संभाला। कप्तानी के दौर में रूट ने भी 27 टेस्ट मैचों में हार का सामना किया। कप्तान के रूप में रूट का व्यक्तिगत प्रदर्शन शानदार रहा; उन्होंने 1793 रन बनाए, जिसमें नाबाद 180 रनों का एक यादगार शतक शामिल था। उनका कप्तानी कार्यकाल यह दर्शाता है कि एक खिलाड़ी कितने भी रन बनाये, टेस्ट मैच जीतने के लिए पूरी टीम के सामूहिक योगदान की जरूरत होती है। रुट को इस साल एक बार फिर कप्तानी सौंपी गयी थी

क्रिकेट इतिहास के सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में गिने जाने वाले वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा का नाम भी इस सूच में है। 1998 से 2006 के बीच लारा ने वेस्टइंडीज की कप्तानी तब संभाली जब कैरेबियाई क्रिकेट का स्वर्णिम दौर समाप्त हो गया था। लारा के नेतृत्व में वेस्टइंडीज ने 26 टेस्ट मैच गंवाए। हालांकि, हारने वाले मैचों में भी लारा का बल्ला जमकर बोला; उन्होंने 40.50 की बेहतरीन औसत से 2106 रन बनाए, जिसमें 202 रनों के सर्वोच्च स्कोर के साथ 5 शतक शामिल थे।

वहीं साल 1980 और 1990 के दशक में आस्ट्रेलियाई क्रिकेट को निखारने का श्रेय एलन बार्डर को जाता है। साल 1984 से 1994 के बीच बार्डर ने आस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभाली।उनके कप्तानी दौर में आस्ट्रेलिया को 22 टेस्ट मैचों में हार मिली। कप्तानी के दौरान दबाव के क्षणों में बार्डर ने 27.14 की औसत से 1140 रन बनाए, जिसमें नाबाद 152 रनों की शतकीय पारी शामिल थी।

ये आंकड़े दिखाते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में कप्तानी एक दोधारी तलवार है, जहां लंबे कार्यकाल अक्सर जीत के साथ-साथ हार का भी बोझ लेकर आते हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

धोनी का आईपीएल 2027 सत्र में खेलना संभव नहीं : बद्रीनाथ

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 सत्र में खेलना संभव नजर नहीं आता है। इसका कारण है कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतरने के लिए तैयार नहीं हैं। बद्रीनाथ का मानना था कि धोनी इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तौर पर उतरकर अपने आईपीएल करियर को लंबा कर सकते थे पर वह इसके लिए तैयार नहीं दिखते। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि यदि वह खेलना जारी रखते हैं, तो वह एक पूर्णकालिक विकेटकीपर के रूप में ही मैदान पर उतरना चाहेंगे, जिसका अर्थ है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक विकेटकीपिंग और क्षेत्ररक्षण की जिम्मेदारी निभानी होगी जो उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए संभव नहीं दिखता। बद्रीनाथ का मानना है कि धोनी के लिए उनके करियर के इस चरण में इम्पैक्ट प्लेयर की भूमिका अधिक उपयुक्त हो सकती थी। 44 साल की उम्र को देखते हुए, पूरे 20 ओवर तक विकेटकीपिंग करना उनके लिए शारीरिक रूप से संभव नहीं हो सकता है। यह नियम उन्हें केवल बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने और दबाव कम करने का अवसर प्रदान कर सकता था, जिससे वे फिनिशर के रूप में अपनी भूमिका को प्रभावी ढंग से निभा पाते। बद्रीनाथ ने बताया, धोनी ने मुझसे कहा कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे। वह खुद को एक पूर्णकालिक विकेटकीपर मानते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक मैदान पर रहना होगा।

यूएस ओपन: कार्लोस अल्कराज ने टामी पाल को हराया, लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क। गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी ने रविवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में अमेरिका के टामी पाल को 6-4, 6-3, 6-4 से हराया। अल्कराज इस साल फ्लशिंग मीडोज में लगातार दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। चोट के कारण करीब चार महीने कोर्ट से बाहर रहने के बावजूद उन्होंने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम में अब तक शानदार फार्म दिखाई है। टामी पाल पर जीत के साथ उनकी ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में लगातार जीत का सिलसिला 18 मैच तक पहुंच गया है। जीत के बाद अल्कराज ने पत्रकारों से कहा, मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि इस समय मेरा स्तर कहां है। टामी को हराना हमेशा अच्छी प्रतिक्रिया देता है और इससे पता चलता है कि आप इस समय किस स्तर पर हैं। मैंने जो कुछ किया, उससे मैं बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, मैं खेल को बहुत अच्छी तरह समझ पा रहा था। मुझे पता था कि हर समय क्या करना है और किस मौके पर किन चीजों का इस्तेमाल करना है। उम्मीद है कि मैं इसी लय को बनाए रखूंगा। मुकाबले के तीसरे सर्विस गेम में अल्कराज को टामी पाल की ओर से कुछ दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने करीब 161 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लगाए गए शानदार फोरहैंड विनर से इसका जवाब दिया।

अगले पांच साल तक रियल मैड्रिड से खेलेंगे स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी

मैड्रिड। स्पेन के शीर्ष फुटबाल क्लब रियल मैड्रिड ने लेवांते के युवा स्ट्राइकर कार्लोस एस्पी को अपने साथ जोड़ा है। रियल मैड्रिड ने एस्पी को करीब 25 मिलियन यूरो की मोटी रकम देकर खरीदा है। ऐसे में अब अगले सत्र से कार्लोस रियल की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। रियल ने कहा कि कि कार्लोस अगले पांच साल तक उसके पास ही रहेंगे। इसके तहत ये फुटबालर जून, 2031 तक रियल की ओर से खेलेगा। गौरतलब है कि रियल मैड्रिड में आने से पहले कार्लोस ने लेवांते की ओर से तीन सत्र खेले हैं। इस दौरान उन्होंने कुल 66 मैचों में 20 गोल दागे हैं। उनका पिछला सीजन विशेष रूप से अच्छा रहा। इस दौरान उन्होंने 27 मैचों में 13 गोल किये। उन्हें पिछले सीजन में लीग का सर्वश्रेष्ठ अंडर-23 खिलाड़ी भी चुना गया था। कार्लोस के इन गोलों के कारण ही लेवांते को निचली लीग में जाने से बचा था। सत्र सीजन के आखिरी हफ्तों में उनके प्रदर्शन ने टीम को मजबूती मिली थी। इस स्ट्राइकर को अपनी टीम में शामिल करने के लिए स्पेनिश ला लीगा के क्लब विल्लारियल और इंग्लैंड की प्रीमियर लीग के साथ ही कई बड़े क्लबों ने भी रुचि दिखायी थी। रियल मैड्रिड ने हालांकि इस दौड़ में बाजी मार ली। लेवांते ने संभावित चोट के खतरे को कम करने के लिए प्री-सत्र फ्रेंडली मैचों से बाहर रखा था, जो आमतौर पर बड़े ट्रांसफर से पहले किया जाता है। कार्लोस का रियल मैड्रिड में ऐसे समय में आये जब क्लब अपने स्ट्राइकर गोंजालो गार्सिया को इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब फुलहम को बेचने के करीब पहुंच गया है। गोंजालो की यह डील लगभग 40 मिलियन यूरो में फाइनल होने वाली है, जिससे मैड्रिड को काफी रकम मिलेगी। इससे टीम में नए स्ट्राइकर को भी जगह मिलेगी।

ओडिशा टी-20 लीग सीएम ट्राफी के लिए 6 टीमों के 16-16 खिलाड़ियों वाले दस्ते तय

भुवनेश्वर

ओडिशा क्रिकेट संघ ने रविवार को ओडिशा टी-20 लीग-2026 सीएम ट्राफी के लिए खिलाड़ियों का ड्राफ्ट पूरा कर लिया। इसके साथ ही आगामी सत्र के लिए छहों फ्रेंचाइजी के दस्ते तय हो गए हैं। प्रत्येक टीम ने ड्राफ्ट के दौरान 16 खिलाड़ियों का चयन किया। लीग के नए सत्र में राज्य के उभरते क्रिकेटरों को पेशेवर मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने और करियर में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना और देबाशीष मोहंती को प्रतियोगिता का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है।

ओडिशा टी-20 लीग-2026 सीएम ट्राफी में भुवनेश्वर टाइगर्स, पुरी टाइटंस, क्योंझर माइनर्स, राउरकेला सुपरस्टार्स, संबलपुर वारियर्स और कटक पैंथर्स की टीमें हिस्सा लेंगी। ओडिशा क्रिकेट संघ के मानद सचिव संजय बेहरा ने कहा, ओडिशा टी-20 लीग के दूसरे सत्र की ओर बढ़ते हुए मैं सभी टीम मालिकों, कोच, टीम प्रबंधकों और ओडिशा क्रिकेट संघ के सदस्यों के निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। फ्रेंचाइजी मालिकों और निवेशकों की उत्साहजनक रुचि लीग के व्यावसायिक विकास के लिए सकारात्मक संकेत है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह टूर्नामेंट हमारे खिलाड़ियों को मजबूत मंच देने और उन्हें अगले स्तर तक पहुंचने का रास्ता तैयार करने के बारे में है। हम लीग को लगातार मजबूत करेंगे, अपने क्रिकेटरों को अधिक अवसर देंगे और ओडिशा क्रिकेट को आगे ले जाएंगे। समारोह में ओडिशा क्रिकेट संघ के अध्यक्ष पंकज लोचन महंती, सचिव संजय बेहरा, उपाध्यक्ष जगमोहन पटनायक, कोषाध्यक्ष विकास प्रधान और संयुक्त सचिव प्रभात कुमार भोल मौजूद रहे।

छह टीमों के पूरे दस्ते

■ **भुवनेश्वर टाइगर्स**
मुख्य कोच: सुबित बिस्वाल
सहायक कोच: बिभुदत्त पांडा
कप्तान: स्वस्तिक सामल
खिलाड़ी: राजेश मोहंती, श्रेयांश भारद्वाज, बादल बिस्वाल, आशुतोष छुरिया, संबित बेजा, एमडी सोहेल खान, दिनेश कुमार माझी, ज्ञान रंजन नायक, रुद्र प्रसाद मलिक, जनम जय जेना, स्वयंभू पलई, रितेश प्रियारंजन, राकेश पटनायक, उमेश कुमार गौतम, शशिकांत यादव।

■ **पुरी टाइटंस**
मुख्य कोच: प्रीतमजीत दास
सहायक कोच: आशीष सविता
कप्तान: आदित्य राउत
खिलाड़ी: निहार बी. भुइयां, दीपक तिवारी, श्रीयांशु पटनायक, आयुष सुतार, स्वयं श्रीवास्तव, चांदीप रियार, अनिल परिडा, कृष्णा मोहंती, सुनील राउल, पनकला शशांक, आदित्य आनंद, सुमित शर्मा, आशीर्वाद स्वैन, सर्वेश्वर मोहंती, तरणी सा।

■ **क्योंझर माइनर्स**
मुख्य कोच: सूर्यकांत प्रधान
सहायक कोच: गिरिजा राउत
कप्तान: सुभ्रांशु सेनापति
खिलाड़ी: राजेश धूपर, देबाब्रत प्रधान, जमाला महापात्रा, सुजल सिंह, प्रयास कुमार सिंह, वागीश शर्मा, आयुष बारिक, विमल कुमार, जोगेश्वर बाग, स्वागत सौरव मिश्रा, अर्णब पटनायक, मयंक पटनायक, क्षमा सागर बाल, राकेश बिस्वाल, सोयांशु पटनायक।

■ **राउरकेला सुपरस्टार्स**
कोच: संजय राउल
सहायक कोच: प्रशांत साहू
कप्तान: गोविंदा पोद्दार
खिलाड़ी: संबित बराल, सावन पहारिया, बिस्वजीत प्रधान, आशुतोष मारंडी, पप्पू राय, संदीप पटनायक, बिवाश शा, आकाश महापात्रा, शुभम प्रियदर्शी, प्रयान सामल, शोभन देव बेहरा, दिव्यम छापड़िया, अभिषेक कुमार यादव, सौभाग्य राउत, ओंकार मोहंती।

■ **संबलपुर वारियर्स**
मुख्य कोच: बसंत मोहंती
सहायक कोच: राकेश मोहंती
कप्तान: गौरव चौधरी
खिलाड़ी: स्वूप समिथ भुइयां, बिक्रम किशोर सामल, अंकित यादव, देबाब्रत प्रधान जूनियर, महेश साहू, बैभव मोहंती, सार्थक पांडा, पनकला मोक्षित, शांतनु मिश्रा, एमडी दानिश, सैदीप महापात्रा, प्रदीप प्रधान, सैयद तुफैल अहमद, ओम टी. मुंडे, सौम्य रंजन लेंका।

■ **कटक पैंथर्स**
मुख्य कोच: प्रवंजन मलिक
सहायक कोच: दीपक मंगराज
कप्तान: बिप्लब सामंतराय
खिलाड़ी: डी. आयुष, एम. गौतम गोपाल, सौम्य रंजन बिस्वाल, सिबुन नंदा, अभिरूप दास, सार्थक एस. प्रकाश, सुभासिस मलिक, राज यादव, प्रियांशु मोहंती, पियूष मंत्री, अभिषेक सिंह, प्रशांत राणा, कार्तिक बिस्वाल, सौरव गौड़ा, शुभम शत्रुजीत।

20 सितंबर से शुरू होगा मुकाबला - ओडिशा टी20 लीग 2026 सीएम ट्राफी की शुरुआत 20 सितंबर से होगी। पहले मुकाबले में संबलपुर वारियर्स का सामना कटक पैंथर्स से होगा। लीग चरण के मुकाबले 27 सितंबर तक खेले जाएंगे। 28 सितंबर को महिला प्रदर्शनी मुकाबले के साथ दूसरे और तीसरे स्थान की टीमों के बीच क्वालीफायर होगा, जबकि फाइनल 29 सितंबर को खेला जाएगा।

कार्यक्रम:

- 20 सितंबर: संबलपुर वारियर्स बनाम कटक पैंथर्स
- 21 सितंबर: क्योंझर माइनर्स बनाम भुवनेश्वर टाइगर्स; राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम संबलपुर वारियर्स
- 22 सितंबर: पुरी टाइटंस बनाम कटक पैंथर्स; संबलपुर वारियर्स बनाम भुवनेश्वर टाइगर्स
- 23 सितंबर: राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम पुरी टाइटंस; भुवनेश्वर टाइगर्स बनाम कटक पैंथर्स
- 24 सितंबर: क्योंझर माइनर्स बनाम संबलपुर वारियर्स; पुरी टाइटंस बनाम भुवनेश्वर टाइगर्स
- 25 सितंबर: राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम कटक पैंथर्स; पुरी टाइटंस बनाम क्योंझर माइनर्स
- 26 सितंबर: राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम भुवनेश्वर टाइगर्स; क्योंझर माइनर्स बनाम कटक पैंथर्स
- 27 सितंबर: पुरी टाइटंस बनाम संबलपुर वारियर्स; राउरकेला सुपरस्टार्स बनाम क्योंझर माइनर्स
- 28 सितंबर: महिला प्रदर्शनी मुकाबला और क्वालीफायर
- 29 सितंबर: फाइनल।

भारत-पाकिस्तान ट्राई सीरीज शुरु करने पर विचार कर रहा आईसीसी

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अब भारत और पाकिस्तान के बीच एक त्रिकोणीय सीरीज आयोजित करने की योजना बना रहा है। इसमें प्रशंसकों को दोनो के बीच अधिक मुकाबले देखने को मिलेंगे। अभी दोनो ही टीमें केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में ही आमने-सामने होती हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय से दोनो के ही बीच बढ़ते तनाव के कारण कोई भी द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज नहीं खेली गई है। दोनों देशों के बीच आखिरी द्विपक्षीय भिड़ंत 2012-13 के सत्र में हुई थी, जब पाकिस्तान टीम ने भारत का दौरा किया था।

अब आईसीसी एक ऐसे बहुपक्षीय टूर्नामेंट या सीरीज की योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है, जिसमें भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें शामिल होंगी। यह प्रस्ताव एक ट्राई सीरीज के रूप में हो सकता है, जिसमें तीन टीमें हिस्सा लेंगी, या फिर चार टीमों का एक बड़ा टूर्नामेंट भी आयोजित किया जा सकता है।आईसीसी को पता है कि इन दोनो के बीच मैच से भारी राजस्व भी मिलता है।

गौरतब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भारतीय टीम के साथ तटस्थ स्थल पर मैच खेलने की मांग करता रहा है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड इससे इंकार करता रहा है। आगामी 22 और 23 सितंबर को आईसीसी के भविष्य दौरा कार्यक्रम पर एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन होना है, जिसमें सभी पूर्ण सदस्य देशों और आठ सहयोगी सदस्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसी सेमिनार से पहले इस मल्टी-नेशन सीरीज पर भी विचार होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, इस सेमिनार में भारत-पाकिस्तान को शामिल करने वाली इस ट्राई सीरीज या चार-टीमों के टूर्नामेंट का विचार औपचारिक रूप से पेश किया जा सकता है। इस प्रस्ताव के पीछे का प्रमुख तर्क यह है कि ऐसे टूर्नामेंट से जबरदस्त राजस्व (रेवेन्यू) उत्पन्न किया जा सकता है। यह न केवल प्रसारकों के लिए, बल्कि आयोजकों के लिए भी एक बड़ा आर्थिक अवसर प्रदान करेगा, जिससे क्रिकेट के वैश्विक विकास में भी मदद मिल सकती है। यदि इस महत्वाकांक्षी योजना को हरी झंडी मिल जाती है, तो इसे संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), आस्ट्रेलिया या इंग्लैंड जैसे किसी तटस्थ और सुरक्षित स्थान पर आयोजित किया जा सकता है। गौरतलब है कि पूर्व में, पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों ही भारत के साथ ट्राई सीरीज खेलने की अपनी इच्छा जता चुके हैं। उस समय आईसीसी ने स्पष्ट किया था कि ऐसी सीरीज पर निर्णय उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, बल्कि यह संबंधित देशों के क्रिकेट बोर्ड का व्यक्तिगत फैसला होता है।

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने मार्क कोल्स

हरारे। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने सोमवार को मार्क कोल्स को महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक कठोर चयन प्रक्रिया के बाद की गई है। उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से कोल्स अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। यह दोनों देशों की महिला टीमों के बीच पहली अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला होगी। न्यूजीलैंड के कोल्स इससे पहले पाकिस्तान और स्काटलैंड की महिला टीमों के मुख्य कोच रह चुके हैं। उन्होंने स्काटलैंड की पुरुष टीम के साथ सहायक कोच के रूप में भी काम किया है। इसके अलावा वह क्रिकेट पापुआ न्यू गिनी में उच्च प्रदर्शन प्रबंधक रहे हैं और आस्ट्रेलिया में कोचिंग सलाहकार की भूमिका भी निभा चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए आस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम घोषित, लाबुशेन पर फिर जताया भरोसा

सिडनी

बांग्लादेश के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बावजूद आस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी टेस्ट दौरे के लिए मार्नस लाबुशेन को टीम में बरकरार रखा है। आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला 9 अक्टूबर से शुरू होगी। यह 2018 के विवादित दौरे के बाद पहली बार होगा जब आस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

लाबुशेन को बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में केवल 1, 31 और 4 रन बनाने के बावजूद टीम में जगह मिली है। उनका आखिरी टेस्ट शतक तीन साल पहले मैनचेस्टर में आया था। आस्ट्रेलिया ने उन्हें एकदिवसीय टीम से बाहर कर दिया था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उन पर भरोसा बरकरार रखा है।

आस्ट्रेलिया ने टीम में युवा आलराउंडर कूपर कोनोली को भी शामिल किया है। कोनोली ने पिछले साल श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट पदार्पण किया था और उनके नाम अभी सिर्फ एक टेस्ट मैच है। मैथ्यू कुह्नेमैन और माइकल नेसर को भी टीम में जगह मिली है।

कुह्नेमैन बाएं हाथ के स्पिनर हैं और वह आफ स्पिनर नाथन लियोन को अतिरिक्त स्पिन विकल्प प्रदान करेंगे। वहीं, नेसर अपनी आलराउंड क्षमताओं के कारण दक्षिण अफ्रीका में उपयोगी साबित हो सकते हैं। पिंडली की चोट के कारण वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहे थे। 2025-26 की एशेज श्रृंखला में तीन मैचों में 15 विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करने वाले नेसर के अपने जन्म के देश दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने की संभावना है।

आस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड के सलामी जोड़ीदार के रूप में मैथ्यू रेनशा को भी बरकरार रखा है। डार्विन में बांग्लादेश के खिलाफ हार के बाद रेनशा ने जेक वेदराल्ड की जगह ली थी। पिछले घरेलू सत्र में शेफील्ड शील्ड के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाज रहे रेनशा ने 10 पारियों में तीन शतक लगाए थे। मैके टेस्ट की एकमात्र पारी में वह आठ रन पर आउट हुए, लेकिन चयनकर्ताओं ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए उन्हें फिर मौका दिया है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे का पहला टेस्ट 9 अक्टूबर से डरबन के किंग्समीड में खेला जाएगा। इसके बाद 18 अक्टूबर से गकेबरहा के सेंट जार्ज पार्क में दूसरा टेस्ट होगा, जबकि श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मुकाबला 27 अक्टूबर से केपटाउन के न्यूलैंड्स में खेला जाएगा।

आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम:

पैट कमिंस (कप्तान), स्काट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुह्नेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, मैथ्यू रेनशा, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर।

टेवेज के विदाई मैच में एक साथ खेल सकते है मेसी और रोनाल्डो

बार्सिलोना

हाल ही में फुटबाल से संन्यास लेने वाले अर्जेंटीना के महान फुटबालर लियोनेल मेसी ओर पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब एक विदायी मैच में एक साफ खेलते नजर आ सकते हैं। रोनाल्डो और मेसी के बीच पिछले एक दशक में कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही है पर आने वाले एक मैच में ये दोनो दिग्गज एक साथ दिख सकते हैं। ये दोनो ही इस साल के अंत में अर्जेंटीना के पूर्व स्टार फुटबालर कार्लोस टेवेज के विदाई मैच में खेल सकते हैं। इससे दोनो के प्रशंसक भी हैरान होने के साथ ही उत्साहित हैं।

इसका कारण ये है कि पिछले लगभग 15 वर्षों से, रोनाल्डो और मेसी की प्रतिद्वंद्विता फुटबाल जगत में हावी रही है। ला लीगा में रोनाल्डो ने रियल मैड्रिड के लिए और मेसी ने बार्सिलोना के लिए खेलते हुए कई यादगार मुकाबले जीते हैं। राष्ट्रीय टीमों की ओर से खेलने के दौरान और क्लब स्तर पर ये दोनो ही 37 बार एक-दूसरे के खिलाफ खेल हैं पर कभी भी एक टीम में नहीं रहे हैं। इन दोनों महान खिलाड़ियों ने मिलकर रिकार्ड 13 बैलन डी खिताब जीते हैं। दोनो के ही प्रशंसक अपने-अपने स्टार खिलाड़ी के बेहतर होने के दावे करते रहे हैं। वहीं कार्लोस टेवेज ने इन दोनो के साथ ही खेला है और वह विदाये मैच में इन्हें साथ ला रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अनुसर टेवेज ने अपने पूर्व क्लब बोका जूनियर्स के अध्यक्ष जुआन रोमन रिकेल्मे से ला बाम्बोनेरा स्टेडियम में इस मैच को आयोजित करने पर बात की है। रिकेल्मे ने इस खास आयोजन के लिए अपनी सहमति दे दी है। गौरतलब है कि बोका जूनियर्स से अपना पेशेवर करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबाल से संन्यास ले लिया था। अब पांच साल बाद, वे अपने करियर को एक भव्य विदाई देने की तैयारी में हैं। ये मैच दिसंबर महीने में होना तय है। जिससे बोका जूनियर्स के कार्यक्रम पर इसका कोई असर न पड़े।

गौरतलब है कि रोनाल्डो और मेसी जैसे दिग्गजों को एक साथ खेलने के लिए मनाना किसी और के लिए शायद असंभव होता, लेकिन टेवेज के लिए यह संभव है। दरअसल, टेवेज अर्जेंटीना की नेशनल टीम में मेसी के साथ और मैनचेस्टर यूनाइटेड में रोनाल्डो के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं।

आज भी उनके दोनों दिग्गजों के साथ अच्छे संबंध हैं। टेवेज का मानना है कि वह इन दोनो को एकसाथ लाने में सफल रहेंगे। अगर टेवेज इसमें कामयाब होते हैं, तो यह केवल एक विदाई मैच नहीं, बल्कि फुटबाल इतिहास में एक स्वर्णिम पल होगा, जो हमेशा याद रखा जाएगा। यह दुनिया भर के करोड़ों फुटबाल प्रेमियों के लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा।

हेल्थ अलर्ट

स्लीप पैरालिसिस की समस्या....

इस स्थिति का वर्णन दुनियाभर के प्राचीन ग्रंथों और कथाओं में भी मिलता है। इसलिए नींद की इस स्थिति को रहस्य और अंधविश्वास भरी नजरों से भी देखा जाता रहा है। विज्ञान की मानें तो यह स्थिति दर्शाती है कि आपका शरीर नींद की प्रक्रिया के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पा रहा है। यह स्थिति स्लीप पैरालिसिस कहलाती है। स्लीप पैरालिसिस वह स्थिति है जब लेटी हुई अवस्था में आपका दिमाग तो जाग जाता है और सबकुछ देख सकता है, लेकिन शरीर हिलने-डुलने से इनकार कर देता है। विज्ञान के लिहाज से यह जागी और सोई स्थिति के बीच की अवस्था है जिसमें कुछ सेकेंड्स से लेकर कुछ मिनट्स तक व्यक्ति हिलने-डुलने के साथ ही बोलने की शक्ति भी खो देता है। कुछ लोगों को इस दौरान सांस रुकने या दम घुटने जैसा अहसास भी हो सकता है वहीं कुछ में इस तकलीफ के साथ नार्कोलैप्सी जैसे नींद से जुड़े अन्य डिसऑर्डर भी हो सकते हैं।

हो सकती है गंभीर मुसीबत

यूं आम मामलों में स्लीप पैरालिसिस से कोई दिक्कत नहीं लेकिन रेयर केसेस में ये कुछ गंभीर मनोवैज्ञानिक समस्याओं से जुड़ा हो सकता है। कई बार यह स्थिति तब भी हो सकती है जब आप गहरी नींद में होते हैं, लेकिन तब आप इसे नोटिस नहीं कर पाते। इसमें आमतौर पर दो में से एक परिस्थिति प्रभावकारी हो सकती है। पहली परिस्थिति हिप्नेगॉजिक या प्रीडॉर्मिटल है जब आप सोई हुई अवस्था में होते हैं और दूसरी परिस्थिति हिप्नोपॉटिक यानी पोस्टडॉर्मिटल जब आप जागने वाली अवस्था में होते हैं।

कौन हो सकता है पीड़ित

इस समस्या से ग्रस्त होने वालों में वैसे तो किसी भी उम्र का व्यक्ति शामिल हो सकता है लेकिन आमतौर पर इसका असर कुछ विशेष लोगों पर ज्यादा हो सकता है, जैसे-

- जिसकी फैमिली हिस्ट्री में यह समस्या हो।
- नींद पूरी न हो पाती हो।
- नींद का रूटीन गड़बड़ा जाता हो।
- बाईपोलर डिसऑर्डर जैसी समस्याओं से गुजर रहा हो
- जो अन्य स्लीप डिस्ऑर्डर्स से गुजर रहा हो।
- किसी विशेष मानसिक स्थिति के लिए दवाइयां ले रहा हो।

मददगार उपाय

हालांकि यह दिक्कत अधिकांशत: सामान्य उपायों से ही ठीक हो जाता है। कुछ केसेस में दवाइयों या इलाज की जरूरत भी पड़ सकती है। सामान्यत: इन उपायों से आराम मिल सकता है।

हमेशा पर्याप्त नींद लेने की कोशिश करें

स्ट्रेस को अपने जीवन से दूर रखें। हो सके तो मेडिटेशन अपनाएं। इसके अलावा रात को सोते समय हल्का संगीत सुनें अगर आप पीठ के बल ही ज्यादा सोते हैं तो सोने की पोजीश पनपने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

एक्जिमा पर काबू पाना मुश्किल, सजग रहें

त्वचा को कई प्रकार के संक्रमणों का सामना करना पड़ता है। एक्जिमा उसमें से एक है। एक्जिमा कई प्रकार का होता है। किसी व्यक्ति को किसी चीज से एलर्जी हो, तो उसे उससे एक्जिमा हो सकता है और संभव है कि दूसरे किसी व्यक्ति पर उस चीज का कोई प्रभाव न पड़े। एक्जिमा त्वचा में होने वाली सामान्य अनियमितता है। एक्जिमा शब्द की उत्पत्ति ग्रीक शब्द से हुई है जिसका अर्थ होता है उबल जाना। पिछले कुछ दशकों में एक्जिमा के मामलों में तेजी आए है। हालांकि इसके कारण अभी तक ज्ञात नहीं हैं।

एक्जिमा के कारण

एक्जिमा के कई कारणों में से एक यह भी हो सकता है कि आजकल लोग एलर्जी पहुंचाने वाले तत्वों (कुछ प्रोटीन पदार्थ जिनसे कुछ लोगों को एलर्जी हो सकती है) के संपर्क में अधिक आने लगे हैं। साथ ही घर में धूल और ऑफिस में अन्य कैमिकल उत्पादों के कारण भी ऐसा देखा जा रहा है। इतना ही नहीं पिछले कुछ दशकों में पर्यावरण और वातावरण में आए बदलावों के कारण भी कुछ लोगों को एक्जिमा की शिकायत होने लगी है। घरों में सफाई के लिए प्रयोग होने वाले पदार्थों का अधिक इस्तेमाल, घोल, डिटर्जेंट, तेल और अन्य सामान, जो त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते हैं, आदि भी एक्जिमा का संभावित कारण हो सकते हैं।

प्रकार और कारण

» कॉन्टेक्ट एक्जिमा
» एटोपिक एक्जिमा
» डिस्काइड एक्जिमा
» सेबोरहोइक एक्जिमा

एटॉपिक एक्जिमा

एक्जिमा का यह प्रकार निरंतर आता और जाता रहता है, और ये आमतौर पर उन लोगों को होता है । जिनमें एलर्जी के लिए एक आनुवंशिक (विरासत) प्रवृत्ति है। लगभग 70ब मामलों में, व्यक्ति (या किसी परिवार के सदस्य) को एलर्जिक अस्थमा है, फीवर या भोजन सम्बंधित एलर्जी होती है। एटॉपिक एक्जिमा जीवन के प्रारंभिक दिनों में, आम तौर पर 2 महीने से 18 महीने के बीच की आयु के शिशुओं, में उभरता है। शिशुओं में, एटॉपिक एक्जिमा मुख्यत: चेहरे, गर्दन, कान और धड़ को प्रभावित करता है। यह पैरों के शीर्ष या कोहनियों के आगे भी दिखाई देता है। बड़े बच्चों, किशोरों और वयस्कों में एटॉपिक एक्जिमा, आमतौर पर कोहनी के अंदर वाले मोड़ की शिकन, इसके साथ साथ घुटने, टखने या कलाई के जोड़ों, हाथों, और ऊपरी पलकों में भी उत्पन्न हो सकते है।

कॉन्टेक्ट एक्जिमा

जब संक्रमण के कारक त्वचा को स्पर्श करते हैं तो, वे दो प्रकार के कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस उत्पन्न कर सकते हैं। इसमें एक इरिटेंट कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस, जो त्वचा का संक्रमण है। इरिटेंट कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस विभिन्न हानिकारक कणों जैसे डिटर्जेंट, कठोर साबुन, पसीना, लार, या मूत्र के साथ लंबे समय तक संपर्क की वजह से हो सकता है। कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस का दूसरा प्रकार एलर्जिक कॉन्टेक्ट एक्जिमा है, जो त्वचा में एक एलर्जिक प्रतिक्रिया है। यह उन लोगों में होता है जिन्हें एक विशिष्ट पदार्थ के प्रति एलर्जी है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रति वर्ष किसी भी प्रकार की त्वचा एलर्जी 70ब लोगों को प्रभावित करती है। सबसे आम एलर्जी पैदा करने वाले पदार्थ हैं आइवी जहर, ओक जहर और स्मैक जहर। त्वचा एलर्जी का कारण बनने वाले अन्य पदार्थों में घर और कार्यालयों की कुछ प्रकार की निर्माण सामग्री, सफाई करने वाले उत्पाद, डियोडरेंट, सौंदर्य प्रसाधन और दवायें शामिल हैं।

-इअरलोब का डर्माटाईटिस निकल युक्त बालियों से होने वाली एक एलर्जी की वजह से हो सकता है। सुगंधित पदार्थों, त्वचा क्रीम और लोशन, शैंपू और जूतों या कपड़ों में पाए जाने वाले रसायन भी एलर्जिक प्रतिक्रियाओं को जन्म दे सकते हैं।

न्युमुलर एक्जिमा

यह एक्जिमा, विशेष रूप से टांगों, बाजूओं, या छाती पर सिक्के के आकार के संक्रमित त्वचा स्थल पैदा करता है। यह आमतौर पर वयस्कों में होता है। यह एटॉपिक एक्जिमा से संबंधित हो सकता है और कुछ दुर्लभ मामलों में एलर्जिक कॉन्टेक्ट डर्माटाईटिस से भी सम्बंधित हो सकता है, कुछ मामलों में ये एथलीटस फुट नामक, एक कवक संक्रमण की एलर्जिक प्रतिक्रिया से भी सम्बंधित होता है। इस मामले में, न्युमुलर एक्जिमा अभी भी विशिष्ट रूप से हाथों, पैरों, या छाती पर ही दिखाई देता है, चाहे कवक संक्रमण शरीर के किसी भी भाग पर हो।

सेबोरहोइक एक्जिमा

इस प्रकार का एक्जिमा नवजात शिशु के नैपी एरिया और क्राडल कैप में हो सकता है। वहीं व्यस्कों में यह स्कैल्प में नजर आ सकता है। साथ ही नाक और मुंह के कोनों के बीच नजर आ सकता है।

एक्जिमा के लक्षण

चाहे कोई भी कारण हो, लेकिन एक्जिमा के लक्षण आमतौर पर समान ही होते हैं। एक्जिमा के सामान्य लक्षण और संकेत इस प्रकार होते है-

- त्वचा के प्रभावित हिस्सों पर खुजली और लालिमा।
- रूखी और परतदार त्वचा। और खुजली की गई त्वचा में त्वचा का मोटा होना।
- त्वचा के प्रभावित हिस्से में गांठ अथवा छाले होना।

एक्जिमा का इलाज

सही इलाज से अधिकतर लोगों में इस बीमारी के लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन, गंभीर एक्जिमा को पूरी तरह से काबू कर पाना मुश्किल होता है। डॉक्टर के निर्देशों का पालन करने से काफी फायदेमंद होता है। हालांकि, एक्जिमा का कोई इलाज नहीं है। साथ ही ऐसे किसी तत्व का पता लगाना भी मुश्किल हो जाता है, जिससे आपकी त्वचा को किसी प्रकार की संवेदनशीलता हो। स्किन केयर के कुछ खास उपाय आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं।

- त्वचा को उत्तेजित करने वाले पदार्थ जैसे, सुगंधित साबुन, कॉस्मेटिक, कपड़े धोने वाले डिटर्जेंट के इस्तेमाल से बचें
- त्वचा को माश्चराइज रखें
- गर्मी और पसीने से बचें। तापमान और आर्द्रता में अचानक बदलाव और खुरचने से बचें।
- ढीले-ढाले कपड़े पहनें और एक्जिमा को नियंत्रित करने के लिए सही और पूरा इलाज करवाए।

रक्तचाप नियंत्रण करता है नारियल का तेल

नारियल तेल का दैनिक आहार में इस्तेमाल रक्तचाप का स्तर सामान्य करने में सहायक हो सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि बैरोरिफ्लेक्स संवेदनशीलता में कमी रक्तचाप को कम करने में काफी सहायक है। नारियल के तेल का आहार में इस्तेमाल उच्च तनाव के उपचार में भी सहायक है। यह प्रयोग चूहों पर किया गया और पाया गया कि नारियल तेल के सेवन से चूहों का वजन कम हो गया।

सुझाव

जीभ पर जमी परत को साफ करें ये उपाय

मुंह की सफाई के नाम पर आमतौर पर लोग दांतों की सफाई कर लेते हैं। लेकिन मुंह के अंदर ही मौजूद जीभ की ओर ध्यान नहीं देते। नतीजतन, हमारा मुंह अस्वस्छ रह जाता है। जीभ पर कई तरह के बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं। जीभ के ऊपर एक सफेद परत जैसी जम जाती है। जीभ की गंदगी से दांतों में खराबी होती है और सांसों से बदबू आती है। जीभ को साफ करना बहुत आसान काम है। आइये जानते हैं कि किन घरेलू उपायों से आप अपनी जीभ की सफाई कर सकते हैं।

नमक: नमक जीभ की सफाई के लिए एक प्राकृतिक स्क्रब है। अपनी जीभ पर छोड़ा सफेद नमक छिड़कें, और फिर साफ टूथब्रश से स्क्रब करें। ध्यान रखें की टूथब्रथ मुलायम होना चाहिए। कड़े रेशों से जीभ में दर्द व छाले हो सकते हैं। इस विधि से एक हफ्ते में जीभ से सफेद परत साफ हो सकती है।

टूथब्रश: टूथब्रश जीभ की सफाई के लिए आसान घरेलू उपाय है। कुछ टूथब्रश दो उद्देश्यों के साथ आते हैं। आगे के हिस्से से दांतों की सफाई और पीछे के हिस्से से जीभ की सफाई। हर बार ब्रश कर लेने के बाद, टूथब्रश के पीछे के हिस्से को हल्के दबाव के साथ जीभ पर रगड़ें। तकरीबन एक से दो मिनट तक इस प्रक्रिया को करना चाहिए। ध्यान रहे, कम दबाव के साथ ही ऐसा करें, अन्यथा जीभ छिल सकती है।

माउथवॉश: खाना खाने के बाद खाने के कुछ अंश जीभ पर ही रह जाते हैं। पानी इन्हें साफ नहीं कर पाता। यही फिर आगे चलकर सफेद परत में तब्दील हो जाते हैं। इसलिए, खाना खाने के बाद माउथवॉश का इस्तेमाल करें। इससे जीभ पर खाने के अंश और बैक्टीरिया जमा नहीं हो पाएगा। इसके साथ ही, नियमित रूप से माउथवॉश के इस्तेमाल से सांसों की बदबू की समस्या से भी छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू और बेकिंग सोडा: बेकिंग सोडा में नींबू की कुछ बूंदे मिलाएं। इसका पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को जीभ पर उंगली की मदद से लाएं। कुछ देर में कुल्ला कर लें। जीभ पर जमी सफेद परत हटाने का ये बेजोड़ तरीका है। साथ ही, इससे दांत भी चमकने लगते हैं।

नमक का पानी: मुंह को नमक के पानी से धोकर भी साफ रखा जा सकता है। इसके लिए आधे ग्लास गुनगुने पानी में आधा चम्मच नमक डालें। इस पानी से अपने मुंह को दिन में 5-6 बार धोएं। ऐसा नियमित तौर पर करते रहने से जीभ पर जमी सफेद परत धीरे धीरे साफ हो जाती है।

दही: दही प्रो-बायोटिक होती है। इस तरह की चीजें कैंडिड फंगस को खत्म करती हैं। जीभ पर जमी सफेद परत कैंडिड फंगस के कारण ही होती है। इसलिए दही के प्रयोग से जीभ की सफाई की जा सकती है।

हल्दी: हल्दी एक ऐसा मसाला है जिससे जीभ की सफेद परत का इलाज किया जा सकता है। इसके लिए हल्दी पाउडर में थोड़ा सा नींबू का रस मिला लें। इस पेस्ट को जीभ पर मलें। उंगली से मसाज करें। कुछ देर मसाज करने के बाद गुनगुने पानी से कुल्ला कर लें। इस विधि से जीभ की सफेद परत काफी जल्दी ठीक हो जाती है।

आपकी लंबाई को बढ़ा हुआ दिखाएंगी ये जींसे

कम हाइट की लड़कियां अक्सर यही सोच कर कई कपड़े नहीं चुनतीं कि कहीं उनकी हाइट और छोटी न लगने लग जाए। इसी के चलते वो कई बार किसी भी तरह का एक्सपेरिमेंट करने से भी बचती हैं। अगर आप भी उन्हीं लड़कियों में शुमार होती हैं तो हम आपके लिए हम लाएं हैं सॉल्यूशन।

एंब्रॉयडरी जींस

कम हाइट है तो एंब्रॉयडरी वाली जींस न पहनते हुए स्ट्राइप्स वाली जीन्स पहनें। हाई वेस्ट जींस हो या ट्राउजर्स, ये हमेशा ही हाइट को इंच देते हैं। इसके साथ प्लेन टॉप पहनें जो स्ट्राइप्स के साथ अच्छे लगेंगे। फुटवेयर में हील्स पहनें। मेसी हेयर का कॉम्बिनेशन अच्छा लगेगा।

हाइवेस्ट जींस

कम हाइट पर बैल-बॉटम जींस पहनें। जींस हाइवेस्ट हो तो बेस्ट। स्लीव हो या स्लीवलेस दोनों तरह के टॉप्स को इसके साथ पेयर किया जा सकता है। इनके साथ एंकल बूट्स या हील्स भी हाइट बढ़ाने के लिए पहने जा सकते हैं। जींस पर किसी भी तरह का कोई डिजाइन न हो तो बेहतर. साथ ही अलग-अलग तरह की हेयरस्टाइल्स भी इस लुक के साथ अच्छी लगेगी।

हाई वेस्ट पैचवर्क जींस

हाई वेस्ट पैचवर्क जींस भी कम हाइट पर खूब पहनी जा रही हैं। कलर- ब्लॉकिंग के साथ इसमें वर्टिकल इफेक्ट भी दिया जा रहा है जिससे हाइट ज्यादा नजर आए। बंद गले के ढीले, हॉल्टर और स्लीवलेस टॉप को इसके साथ पेयर करें। जिसे आप टक-इन करके भी पहन सकती हैं। फुटवेयर में वेजेज़ से लेकर सफेद कैनवस शूज तक पहने जा सकते हैं। ओपन हेयरस्टाइल इस लुक को करेंगे पूरा।

फेडेड जींस

एंकल लेंथ से थोड़ी ऊपर लेंथ वाली फेडेड जींस भी कम हाइट गर्ल्स के लिए परफेक्ट होती हैं। इसे एस्मेट्रिकल प्लेन-व्हाइट टीशर्ट और शर्ट के साथ टीमअप करें। टॉप के स्लीव्स ढीले हों तो लुक अलग से हाइलाइट होगा। फुटवेयर में ब्लैक कलर वाले ब्लॉक हील्स पहनें। जो आपके फेडेड ब्लू जींस के साथ परफेक्टली मैच करेंगे।

मंहगी क्रीम से नहीं बस एक फेसपैक से पाएं बेदाग त्वचा

चेहरे के साथ-साथ शरीर के बाकी अंगों का साफ होना बहुत जरूरी है। अक्सर लोग अपनी चेहरे की खूबसूरती की तरफ ध्यान देते हैं लेकिन अगर हाथ और पैर ही साफ न हो तो पर्सनैलिटी अधूरी लगती है। वहीं गर्मी और बरसात के मौसम में स्किन संबंधित कई समस्याओं का सामना करना प ?ता है जैसे सनबन, एलर्जी और फंगस आदि। आज हम आपको एक आसान घरेलू तरीका बताने जा रहे है जिससे आप ग्लोइंग स्किन पा सकते है।

जरूरत की चीजें

- खीरे का रस
- आलू का रस
- 1/2 टीस्पून नींबू का रस
- टमाटर का रस

बनाने और लगाने का तरीका

सबसे पहले खीरे, टमाटर और आलू का रस मिलाकर अच्छे मिक्स कर लें। अब इसमें नींबू का रस डाले और अच्छे से मिलाएं। इस पैक को स्किन पर 30 मिनट के लिए लगाकर रखें। शाम के समय इस पैक को लगाने से अधिक फायदा मिलता है। इससे सनबन और खुले पोर्स बंद होने की समस्या से छुटकारा मिलता है।

रेसिपी

अरैबिक डिश कुनाफा

सामग्री

आधा छोटा चम्मच कॉर्न फ्लोर, 100 मि.ली दूध, 1 कप चीनी, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 2 कप सेवईया, 2 बड़ा चम्मच बटर, 2 छोटा चम्मच घी, 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ काजू , 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ बादाम, 10 किशमिश, पानी आवश्यकतानुसार, सजावट के लिए, 1 छोटा चम्मच बारीक कटा हुआ पिस्ता।

विधि

धीमी आंच में एक पैन में दूध और कॉर्न फ्लोर को 2 से 3 मिनट तक उबालकर इसका गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें और आंच बंद कर दें। एक दूसरे पैन मे धीमी आंच में चीनी और पानी मिलाकर एक तार की चाशनी तैयार करें और चाशनी तैयार होने के बिल्कुल एक मिनट पहले इसमे गुलाब जल डालकर आंच बंद कर दें। एक बड़े बॉउल में सेवई, काजू, बादाम, किशमिश, बटर और घी सब एकसाथ मिक्स कर लें। ध्यान रखे कि सेवई को ज्यादा न तोड़े। अब एक बेकिंग ट्रे लें और इसमें सेवई की पहली परत डालें। इस पर दूध और कॉर्न फ्लोर से तैयार पेस्ट पूरी तरह से फैलाएं और इसके ऊपर सेवई की एक और परत बनाएं। ऐसा ही एक और बार करें और फिर सेवई की आखिरी परत को हल्के हाथों से दबा दें। अब इसे माइक्रोवेव में 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर 15 मिनट के लिए सुनहरा होने तक पकाएं। तय समय के बाद माइक्रोवेव बंद कर दें और चाकू की मदद से इसे एक प्लेट में निकालकर रख लें। अरैबिक डिश कुनाफा तैयार है. ऊपर से चाशनी डालें और पिस्ते से गार्निश कर सर्व करें।

मैंगो मसाला राइस

सामग्री

1 मीडियम साइज का कच्चा आम, 3 कप पके हुए चावल, 1 छोटा चम्मच बड़ी राई, 1 छोटा चम्मच चना दाल, 2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, चुटकीभर हल्दी पाउडर, 5-6 करी पत्ते, नमक स्वादानुसार, तेल फ्राई करने के लिए, सजावट के लिए, 1 बड़ा चम्मच बारीक कटी हुई धनिया पत्ती

विधि

सबसे पहले कच्चे आम को छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही इसमें राई डालें। राई के चटकते ही करी पत्ते, चना दाल, आम के टुकड़े, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालकर 2 मिनट तक फ्राई करें। तय समय के बाद इसमें चावल और नमक अच्छे से मिलाकर कड़छी से चलाते हुए फ्राई कर लें। मैंगो मसाला राइस तैयार है। बारीक कटी हुई धनिया पत्ती से गार्निश कर रायते और अचार के साथ इसका आनंद लें।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**